• जयपुर, शनिवार, 1 जून 24 • वर्ष 13 • अंक 274 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

पेज @3 लोकसभा चुनाव प्रचार के बीच सुर्ख़ियों में रहीं ये पांच महिलाएं...

पेज @5 समाज न्यूक्लियर फैमली ट्रेंड को अपना रहा है : मनोज वाजपेयी...

पेज @8 » भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग....

जम्मू: यात्रियों से भरी यूपी की बस खाई में गिरी, 22 की मौत, 69 लोग घायल

अखनूर/एजेंसी

जम्मू-पूंछ राष्ट्रीय राजमार्ग (144ए) पर अखनूर के चूंगी मोड़ क्षेत्र में बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहां एक यात्रियों से भरी बस गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में अब तक 22 लोगों के मारे जाने की खबर है। करीब 69 यात्री घायल हो गए। इनमें 57 को जीएमसी जम्मू रेफर किया गया और 12 लोगों का इलाज अखनूर उपजिला अस्पताल में जारी है। बस में 91 यात्री सवार थे। पुलिस व स्थानीय लोगों द्वारा बचाव अभियान चलाया। खाई से निकाल कर घायलों को अखनूर उपजिला अस्पताल में पहुंचाया गया। जहां से गंभीर रूप से घायल यात्रियों को जम्मू मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) रेफर किया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उत्तरप्रदेश के हाथरस की यह बस हरियाणा के कुरुक्षेत्र से शिवखोड़ी धाम जा रही था। शिवखोड़ी धाम, जम्मू संभाग के रियासी जिले के पौनी में स्थित है, जो कि कटड़ा सिथ्त माता वैष्णो देवी मंदिर से मात्र 80 किलोमीटर की दूरी पर है। यह भगवान भोलेनाथ को समर्पित है। जानकारी के अनुसार, बस का नंबर है- यूपी 86ईसी 4078 बताया गया है। यह बस अखनूर के चूंगी मोड़ में गहरी खाई में जा गिरी। इस तीखे मोड़ पर सामने से आ रही एक बस के आने से हादसे वाली बस के चालक का संतुलन बिगड़ा गया और यह दुर्घटना हो गई। बस के गिरते ही चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को भी सूचित किया गया। तुरंत में राहत और बचाव अभियान चलाया गया।अस्पताल में इलाज करा रहे घायलों में से एक अमर चंद ने बताया, 'एक कार विपरीत दिशा से आ रही थी। बस चालक ने तीखा मोड़ को पार करने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा, जिसके परिणामस्वरूप वाहन खाई में जा गिरा।' वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (यातायात) फैसल कुरैशी, परिवहन आयुक्त और अन्य अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और अभियान की निगरानी की। संभागीय आयुक्त रमेश कुमार, एसएसपी-जम्मू और जम्मू के डिप्टी कमिश्नर ने घायलों के बारे में जानकारी लेने के लिए जीएमसी अस्पताल का दौरा किया।

एक नजर

अंतिम चरण का मतदान समाप्त होने के बाद ही दें एग्जिट पोल : आयोग

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने इलेक्ट्रानिक, प्रिंट और अन्य सभी तरह के प्रचार माध्यमों को निर्देश दिया है कि वे शनिवार को लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के मतदान के समाप्त होने के बाद ही एग्जिट पोल का प्रचार या प्रसार कर सकते हैं। आयोग ने 18वीं लोकसभा के चुनाव और चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के संबंध में गत मार्च में जारी अधिसूचना का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि 19 अप्रैल सुबह सात बजे से लेकर एक जून शाम साढे छह बजे तक मीडिया के सभी प्रचार माध्यमों पर एग्जिट पोल के प्रचार प्रसार करने पर रोक रहेगी।

एक्जिट पोल चर्चा में भाग नहीं लेगी कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस का कहना है कि वह शनिवार को जारी होने वाले एक्जिट पोल नतीजों से जुड़ी बहस में भागीदारी नहीं करेगी। पार्टी का कहना है कि हम टीआरपी के लिए अटकलबाजी में शामिल होना जरूरी नहीं मानते । उल्लेखनीय है कि कल अंतिम चरण का मतदान समाप्त होने के बाद आम चुनाव से जुड़े एक्जिट पोल आयेंगे। इनमें सर्वे के आधार पर बताया जाता है कि देश में किस पार्टी को कितनी सीटें मिलने का अनुमान है। लगभग सभी टीवी चैनल इसे प्रसारित करते हैं। पार्टी नेता पवन खेड़ा ने शुक्रवार को कहा कि एक्जिट पोल में भाग न लेने का कारण यह है कि मतदाताओं ने अपना वोट डाल दिया है और उनका फैसला सुरक्षित हो गया है। नतीजे 4 जून को आएंगे। उससे पहले, हमें टीआरपी के लिए अटकलों और खींचतान में शामिल होने का कोई कारण नहीं दिखता। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एक्जिट पोल पर बहस में भाग नहीं लेगी।

मनी लांड्रिंग मामले में सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 3 जुलाई तक बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले के आरोपित और दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की मनी लांड्रिंग के मामले में न्यायिक हिरासत 3 जुलाई तक बढ़ा दी है। मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत आज खत्म हो रही थी, जिसके बाद उन्हें वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। इस मामले में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को सुप्रीम कोर्ट जमानत दे चुका है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस मामले में न्यायिक हिरासत में हैं।

सातवें और अंतिम चरण का मतदान आज, सभी तैयारियां पूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में सात राज्यों और एक केन्द्र शासित प्रदेश की 57 संसदीय सीटों पर शनिवार (1 जून) को मतदान होगा। साथ ही ओडिशा विधानसभा की शेष 42 सीटों के लिए और हिमाचल प्रदेश की छह विधानसभा सीटों पर भी मतदान होगा।

चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बताया कि लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के लिए बिहार, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस चरण में बिहार की 8, चंडीगढ़ की 1, हिमाचल प्रदेश की 4, झारखंड की 3, ओडिशा की 6, पंजाब की 13, उत्तर प्रदेश की 13 और

- **ओडिशा में 42 विधानसभा क्षेत्रों के साथ 57 लोकसभा सीटों पर होगा मतदान**
- **10.06 करोड़ मतदाता, 1.09 लाख से अधिक मतदान केन्द्र, 7 राज्य व 1 केन्द्र शासित प्रदेश**

पश्चिम बंगाल की 9 सीटों पर मतदान होंगे लगभग 10.9 लाख मतदान अधिकारी 1.09 लाख मतदान केन्द्रों पर 10.06 करोड़ से अधिक मतदाताओं का स्वागत करेंगे। 10.06 करोड़ से अधिक मतदाताओं में लगभग 5.24 करोड़ पुरुष, 4.82 करोड़ महिला और 3574 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं।

इन दिग्गजों के भाग्य का होगा फैसला

इस चरण में वाराणसी से पीएम मोदी चुनाव मैदान में हैं। उनके खिलाफ कांग्रेस ने अजय राय मैदान में हैं। इसके अलावा गोरखपुर सीट से अभिनेता रवि किशन के खिलाफ समाजवादी पार्टी ने काजल निषाद को मैदान में उतारा है। हिमाचल की मंडी सीट से फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत चुनाव मैदान में हैं और उनके खिलाफ पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य कांग्रेस उम्मीदवार हैं। हमीरपुर सीट से केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, पश्चिम बंगाल की डायमंड हार्बर सीट से ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी जालंधर और हरसिमरत कौर बादल भटिंडा से चुनाव लड़ रही हैं।

झारखंड के तीन सीटों पर मतदाता दो सांसद, चार विधायक समेत 52 प्रत्याशियों की लिखेंगे तकदीर

संवाददाता

दुमका/रांची। झारखंड में संताल परगना प्रमंडल के राजमहल, दुमका और गोड्डा समेत तीन लोकसभा सीटों पर कल शनिवार को होने वाले मतदान के मद्देनजर सभी प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई है।

चुनाव आयोग के निर्देश के आलोक में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने के लिए मतदान कर्मियों को आवश्यक सामग्री के साथ मतदान केन्द्रों के लिए रवाना कर दिया गया है तथा दंडाधिकारी के नेतृत्व में सभी क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी गई है। संबंधित जिला प्रशासन द्वारा मतदान केन्द्रों पर सतत निगरानी के मद्देनजर चुस्त -दुरुस्त मुकम्मल व्यवस्था की गयी है। इन तीनों क्षेत्रों में सातवें चरण में शनिवार को होने वाले मतदान के माध्यम से इस क्षेत्र के 52.23 लाख से अधिक मतदाता मैदान में उतरे 52 प्रत्याशियों का भाग्य का फैसला करेंगे। इसमें दो सांसद, चार विधायक भी शामिल हैं।

पाकुड़ जिले के मतदाता झामुमो प्रत्याशी सांसद विजय हांसदा, भाजपा के ताला मरांडी और झामुमो के बागी विधायक निर्दलीय प्रत्याशी लोबिन हेम्ब्रम समेत कुल 14 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। वहीं दुमका से अपने भाग्य की आजमाइश करने मैदान में उतरी जामा की विधायक रहीं भाजपा प्रत्याशी सीता मुर्मू सोरेन और झामुमो प्रत्याशी शिकारीपाड़ा के विधायक नलिन सोरेन समेत 19 प्रत्याशियों के भाग्य पर अपनी मुहर लगायेंगे। इधर गोड्डा लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी सांसद निशिकांत दूबे, कांग्रेस प्रत्याशी पोड़ैयाहाट के विधायक प्रदीप यादव सहित 19 प्रत्याशी इस बार मैदान में हैं।

यूपी, बिहार व झारखंड में भीषण लू से काल के गाल में समा रहे लोग, अब तक 258 मौतें

यूपी में 160 व बिहार-झारखंड में हीटवेव से 98 लोगों की गयी जान

एजेंसी

रांची/पटना/लखनऊ। उत्तर प्रदेश, बिहार व झारखंड में भीषण गर्मी और लू के चलते पिछले कई सालों के रिकॉर्ड टूट गए हैं। राजधानी लखनऊ में दिन और रात की गर्मी के तापमान ने कई सालों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। इसी बीच कई जिलों में मौत के मामले भी सामने आने लगे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रदेश में 160 से ज्यादा लोग इस भीषण गर्मी और भीषण लू की चपेट में आकर काल के गाल में समा गए हैं। वहीं बिहार और झारखंड में प्रचंड गर्मी का कहर जारी है। दोनों राज्यों में 98 लोगों की मौत होने की खबर आई है। वहीं लू लगने से विभिन्न अस्पतालों में सैकड़ों मरीज अस्पताल में भर्ती है। बिहार में औरंगाबाद, रोहतास और गया में स्थिति विकट है। वहीं झारखंड में पलामू, लातेहार, गढ़वा और सरायकेला में स्थिति गंभीर है। इसे लेकर मौसम विभाग की ओर से ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया गया है।

खबरों के मुताबिक प्रदेश के पूर्वांचल में भीषण गर्मी और लू की वजह से 77 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। जबकि बुंदेलखंड और सेंट्रल यूपी में 38 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। वहीं राजधानी लखनऊ में 9 लोगों के मौत होने की सूचना मिल रही है। इसी क्रम में वाराणसी में 34, महोबा में 14, चित्रकूट में 6, बांदा में 4, हमीरपुर में 4 और प्रतापगढ़ में 6 लोगों की मौत होने की बात कही जा रही है। साथ ही आजमगढ़ में 16, मिर्जापुर में 10, गाजीपुर में 9, जौनपुर में 4, चंदौली में 3, भदोही में 2, बलिया में 2, झांसी में 1 और उरई में 1 की मौत होने का दावा किया गया है।

बिहार में लू लगने से 75 अधिक की मौत

बिहार में गर्मी के प्रकोप से 75 से अधिक लोगों की मौत हो गई। लू लगने से औरंगाबाद में 22, रोहतास में नौ, गया में सात, कैमूर में पांच, बेगूसराय में तीन, खगड़िया में एक, बक्सर में दो, जहानाबाद में चार, मुजफ्फरपुर में एक, मसौढ़ी में एक, छपरा में चार, अरवल में एक और बाढ़-मोकामा में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई। राज्य के अन्य जिलों में भी कई लोगों की मौत की सूचना है।

झारखंड में लू लगने से 23 लोगों की गई जान

झारखंड में भी लू लगने से 23 लोगों की जान चली गई। पलामू जिले में लू की चपेट में आने से छह लोगों की मौत हो गई। इनमें यूपी के कानपुर का स्क्रैप व्यवसायी अनिल कुमार अवस्थी, हुसैनाबाद के देवरी गांव की शांता देवी, हैदरनगर के बरडंडा गांव निवासी संदीप साव, मेदिनीनगर के हमीदगंज मुहल्ला निवासी विकास, पांडू प्रखंड के भटवलिया गांव निवासी अभियानी देवी और पांडू के ही मनगिरा देवी शामिल हैं। गढ़वा के केतार में लू लगने से 70 वर्षीय एक बुजुर्ग की मौत हो गई। गुमला शहर में लू लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराए गए चार महीने के नवजात ने दम तोड़ दिया। खूंटी के तोरपा मं 57 वर्षीय दुकानदार सुनील भगत की मौत हो गई। हजारीबाग के गिद्दी में एक वृद्ध महिला बलवा देवी की मौत हो गई। सरायकेला में तीन लोगों, पश्चिमी सिंहभूम के मनोहरपुर के दो लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा भी विभिन्न जिलों में कई लोगों की मौत की खबर है।

जल संकट को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची दिल्ली सरकार

3 राज्यों से अतिरिक्त पानी आपूर्ति की लगायी गुहार

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार ने भीषण गर्मी के कारण राष्ट्रीय राजधानी में पानी के गंभीर संकट के मद्देनजर हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश सरकारों को एक माह के लिए अधिक पानी आपूर्ति करने का निर्देश देने की गुहार लगाते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने अपनी याचिका में दिल्ली के लोगों को पानी की समस्या से जूझते देख शीर्ष अदालत से अनुरोध किया कि वह हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश सरकारों को कम से कम एक महीने के लिए अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराने के लिए तत्काल उचित निर्देश या आदेश जारी करे।

'आप' सरकार ने अपनी याचिका में कहा, 'हर व्यक्ति को पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए, क्योंकि यह उसके बुनियादी मानवाधिकारों में से एक है। पानी न केवल जीवनयापन के लिए आवश्यक है, बल्कि उसे हासिल करना उसके लिए

संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमा और जीवन की गुणवत्ता की सुनिश्चित करने का एक अनिवार्य घटक भी है।' केजरीवाल सरकार ने अपनी याचिका में कहा, 'वर्तमान जल संकट गर्मी चरम पर होने और पानी की कमी के कारण आने वाले समय में और भी बदतर हो सकता है। पानी संकट दिल्ली एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लोगों के गरिमापूर्ण और गुणवत्तापूर्ण जीवन के अधिकार का उल्लंघन करता है।'

गौरतलब है कि हाल में दिल्ली का तापमान लगभग 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। लोगों को गर्मी से अभी तक कोई राहत नहीं मिल पाई है, क्योंकि दक्षिण-पश्चिम मानसून के जून के अंतिम सप्ताह से पहले दिल्ली में आने की संभावना नहीं है।

नौ राज्य ऑरेंज अलर्ट पर, दो-तीन दिनों में मिलेगी राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के विभिन्न हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, बिहार सहित देश उत्तर-मध्य के राज्य नौतपा के दिनों में झुलस रहे है। 30 मई तो दिल्ली का पारा 50 डिग्री पार कर गया है। वहीं गर्मी के साथ जल संकट ने आम आदमी की परेशानी और बढ़ा दी है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले एक-दो दिन तक भीषण गर्मी का प्रकोप जारी रहेगा,

- **अगले दो से तीन दिनों में तापमान में होगी गिरावट**

इसके बाद कुछ राहत मिलने लगेगी। मौसम विभाग ने आज (शुक्रवार) के लिए नौ राज्यों में लू का ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। अनुमान है कि तापमान में मध्यम गिरावट की वजह से अगले 2-3 दिनों के दौरान भीषण गर्मी से कुछ निजात मिल जाएगी।

मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के कारण पश्चिमोत्तर भारत और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लिए राहत मिलने की भी बात कही है।

आईएमडी (इंडियन मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट) ने एक बयान में कहा कि आने वाले पश्चिमी विक्षोभ का असर यहां दिखने वाला है। अरब सागर से उत्तर-पश्चिम भारत की ओर बहने वाली दक्षिण-पश्चिमी हवा के कारण कुछ स्थानों पर बारिश या तूफान की स्थिति बन सकती है।

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 1 जून तक भारत के बड़े हिस्से में शुष्क मौसम की स्थिति के साथ-साथ अत्यधिक गर्म लहर चलने की संभावना व्यक्त की है। इसमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान, ओडिशा, मध्य प्रदेश आदि शामिल हैं।

आईएमडी वैज्ञानिक सोमा सेन ने कहा है कि बीते 24 घंटों में बिहार, झारखंड, ओडिशा में गर्मी के कारण काफी मौतें हुई हैं। उन्होंने संभावना जताई है कि शनिवार से इन क्षेत्रों में लू की स्थिति धीरे-धीरे कम होने लगेगी।

दिल्ली में इंडी गठबंधन की बैठक आज

सीएम चम्पाई और कल्पना होंगे शामिल

संवाददाता

रांची। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दिल्ली में शनिवार को इंडी गठबंधन के नेताओं की बैठक बुलाई है। लोकसभा चुनाव के तहत चार जून को होने वाली मतगणना से ठीक पहले इंडी गठबंधान की बैठक में कई दलों के नेता शामिल होंगे। इस बैठक को बेहद अहम मानते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष

सह मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन और पार्टी की स्टार प्रचारक सह पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी शिरकत करेंगी। यह जानकारी झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने दी।

मनोज पांडेय ने कहा कि पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्या भी दिल्ली में इंडी गठबंधन की बैठक में शिरकत कर सकते हैं। झामुमो के नेता ने दावा करते हुए कहा कि अब चार जून के बाद केंद्र में इंडी गठबंधन की सरकार बननी तय है। ऐसे में आगे की रणनीति बनाने की दिशा में यह बैठक काफी महत्वपूर्ण है।

गर्मी से उबलता देश

चिलचिलाती गर्मी के कारण देश का एक बड़ा हिस्सा फिलहाल उबल रहा है। आम चुनाव के मौसम में चर्चा के केंद्र में गर्मी की मार भी एक प्रमुख बिंदु बन गया है। मैं अभी चुनाव में अनेक क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियानों में निकल रहा हूँ। लेकिन न तो कार्यकर्ता सुबह 6 से 9 बजे और शाम के 7 से रात 10 बजे के अलावा निकलने को तैयार हैं, न ही नागरिक अपने घरों का दरवाजा खोल कर आपके स्वागत के लिये तैयार हैं।

मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि तीव्र गर्मी जून महीने तक जारी रहेगी और महसूस होने वाला तापमान 49 डिग्री तक पहुंच सकता है। अभी 26 मई को स्वयं मुझे पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ और 27 मई को आरा संसदीय क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ मात्र एक घंटे रहने का मौका मिला। 44–45 डिग्री तापमान था और मंच पर बैठना भी असहनीय हो रहा था। सच में, इस भीषण गर्मी ने दैनिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। जलवायु परिवर्तन के कारण भारत में लू की स्थितियां तेजी से बढ़ी हैं। यह अब लगभग पूरे देश में महसूस होने लगा है। उत्तर भारत में जहां कुछ क्षेत्रों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया, यह इसका एक हालिया उदाहरण है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात सहित कई राज्यों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। आजकल जब सूरज देवता आग उगल रहे हैं, तब नौतपा शब्द बहुत सुनने में आ रहा है। कुछ लोगों को यह शब्द नया लग रहा है। हालांकि यह बात नहीं है। नौतपा वो नौ दिन होते हैं जब देश में गर्मी अपने चरम पर होती है। इसे 'नवताप' भी कहा जाता है। ये दिन साल के सबसे गर्म दिन भी होते हैं। 2024 में नौतपा 25 मई को शुरू हुआ और 2 जून तक जारी रहेगा। नौतपा के दौरान, सूर्य सीधे मध्य भारत के ऊपर होता है, जिससे पृथ्वी और सूर्य के बीच की दूरी कम हो जाती है। इससे अधिक सीधे और तीव्र सौर विकिरण उत्पन्न होते हैं, जिससे भीषण गर्मी पड़ती है। कुछ क्षेत्रों में, खासकर राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश और गुजरात में तापमान लगभग 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है।

हीटवेव एक लंबी अवधि की अत्यधिक गर्मी होती है जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर परिणाम ला सकती है। हीटवेव के दौरान तापमान किसी विशेष क्षेत्र और समय के लिए औसत तापमान से काफी अधिक हो जाता है। हीटवेव थकावट, स्ट्रोक व गंभीर मामलों में मृत्यु का कारण बन सकती है। याद रख लें कि हीटवेव सिर्फ उच्च तापमान नहीं होती, बल्कि असामान्य तापमान वृद्धि से परिभाषित होती है। उदाहरण के लिए, एक स्थान जहाँ गर्मियों में सामान्यत: 40 डिग्री सेल्सियस तापमान होता है, वहाँ हीटवेव नहीं मानी जाती है, भले ही तापमान 42 या 43 डिग्री तक पहुँच जाए। इसके विपरीत, एक जगह जहाँ सामान्य तापमान 27 या 28 डिग्री है, वहाँ हीटवेव मानी जाएगी यदि तापमान 35 डिग्री तक पहुँच जाए। हीटवेव तब मानी जाती है जब किसी स्टेशन का अधिकतम तापमान मैदानी इलाकों में कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक और पहाड़ी क्षेत्रों में कम से कम 30 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक हो। हालांकि, यह भी ध्यान दिया जाता है कि जिस तापमान पर हीटवेव घोषित की जाती है, वह क्षेत्र की तापमान जलवायु के आधार पर अलग–अलग होता है। भारत के कुछ क्षेत्र अपने स्थान और जलवायु के कारण हीटवेव के प्रति अधिक संवेदनशील हैं। इनमें देश के उत्तर–पश्चिमी और मध्य भाग, जिनमें राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात शामिल हैं। शोधकर्ता बताते हैं कि हीटवेव तब होती है जब वायुमंडल में उच्च दबाव होता है, जो गर्म हवा को नीचे की ओर धकेलता है और इसे जमीन के पास फँसा देता है। यह उच्च दबाव प्रणाली एक ताले की तरह काम करता है जो गर्म हवा को ऊपर उठने से रोकता है, जिससे तापमान और बढ़ जाता है। जब हवा नीचे डूबती है तो वह गर्म हो जाती है, जिससे अत्यधिक गर्मी की स्थिति उत्पन्न होती है। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन वैश्विक मौसम पैटर्न में बदलाव करके और लंबी अवधि तक उच्च दबाव की संभावना बढ़ाकर अधिक बार और तीव्र हीटवेव में योगदान देता है।

भारत में गर्मियों का तापमान आमतौर पर मई में चरम पर होता है। पाकिस्तान से आने वाली गर्म पश्चिमी हवाएं भी गर्मी में योगदान दे रही हैं। भारत के अन्य हिस्सों में, गर्मियों का तापमान पहले ही रिकॉर्ड ऊँचाई पर पहुँच चुका है, खासकर पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों में, जहाँ अप्रैल का तापमान रिकॉर्ड में सबसे अधिक था। अत्यधिक गर्मी का स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। हालिया शोध बताते हैं कि तीव्र और लंबी अवधि तक चलने वाली हीटवेव के दौरान समय से पहले जन्मों में वृद्धि होती है। हीटवेव के कारण सांस लेने में तकलीफ और श्वसन संबंधी स्थितियाँ बिगड़ने की भी जानकारी है, खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ हवा की गुणवत्ता खराब है। उच्च तापमान हृदय और परिसंचरण तंत्र पर भी दबाव डाल सकता है, जिससे दिल का दौरा और अन्य हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। यह भी ध्यान रखा जाए कि जैसे–जैसे तापमान बढ़ता है, हीटवेव के आर्थिक प्रभाव को लेकर चिंताएँ बढ़ती जा रही हैं। नकारात्मक प्रभाव केवल मानवीय पीड़ा तक सीमित नहीं हैं बल्कि आर्थिक गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला को भी प्रभावित करते हैं।

हीटवेव कार्यबल की उत्पादकता में कमी का कारण बनती है। उच्च रात के तापमान से शरीर का ठंडा होना मुश्किल हो जाता है। भारत जैसे देश में, जहां कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा बाहरी गतिविधियों में लगा है, परिणाम गंभीर होते हैं। लगभग 45.76% कार्यबल कृषि में कार्यरत है, जिसमें से 83% असंगठित क्षेत्र में काम कर रहे हैं। किसानों सहित बाहरी काम करने वाले लोग, गर्मी से संबंधित बीमारियों जैसे गर्मी की थकावट और हीटस्ट्रोक के प्रति विशेष रूप से कमजोर होते हैं, जिससे बार–बार ब्रेक लेना पड़ता है और उत्पादकता कम होती है। पिछले साल एक अध्ययन ने चेतावनी दी थी कि अत्यधिक गर्मी से बाहरी काम करने की क्षमता 15 फीसदी तक कम हो सकती है, जिससे लाखों लोगों के जीवन स्तर में गिरावट आ सकती है और 2050 तक भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 2.8 फीसद की गिरावट आ सकती है। सकल घरेलू उत्पाद अर्थव्यवस्था के आर्थिक प्रदर्शन का एक बुनियादी माप है, यह एक वर्ष में एक राष्ट्र की सीमा के भीतर सभी अंतिम माल और सेवाओं का बाजार मूल्य है। बहरहाल, इस गर्मी के मौसम में अपने को बचाइये। रोज खूब पानी पीजिए।

तस्वीर वैसी नहीं जैसा विरोधी बता रहे

अवधेश कुमार

अब जब लोकसभा चुनाव का एक चरण बाकी है नेताओं, पार्टियों और विश्लेषकों के दावों पर बात किया जाना आवश्यक है। विरोधी दलों, नेताओं और उनका समर्थन करने वाले मुख्य मीडिया, सोशल मीडिया के पत्रकारों, एक्टिविस्टों ने ऐसा माहौल बनाया है मानो 4 जून के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का अंत हो जाएगा और उसकी जगह विपक्ष के गठबंधन की सरकार बनेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जब चौथे दौर के साथ बहुमत एवं पांचवें दौड़ के साथ 310 सीटों तक पहुंचने की बात की तो ऐसे लोगों ने उसका उपहास उड़ाना शुरू कर दिया। आजकल डिबेट में भी पूछा जा रहा है कि अब भाजपा 400 से आकर 300 की बात कैसे करने लगी है? न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने, न गृह मंत्री अमित शाह ने कभी कहा है कि हमारा 400 पार का दावा खत्म हो गया है। सरकार में वरिष्ठ क्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दूसरे नंबर पर आते हैं लेकिन नेतृत्व और नियंत्रण के आधार पर देखें तो प्रधानमंत्री के बाद गृह मंत्री अमित शाह ही सरकार और संगठन के दूसरे मुख्य निर्णायक हैं। इन दोनों ने 400 पार का दावा छोड़ नहीं है तो विरोधियों की बात कैसे मान ली जाए कि भाजपा ने 300 तक का मन बना लिया है। 4 जून को किसको कितनी सीटें आएंगी इसकी भविष्यवाणी जोखिम भरी होगी। किंतु क्या देश में ऐसी स्थिति पैदा हो गई कि बहुसंख्य मतदाता मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने की सीमा तक विद्रोह कर दे? इसी के साथ यह भी प्रश्न है कि क्या विपक्ष ने अपनी छवि ऐसी बना ली है कि लोग वर्तमान परिस्थितियों में उनके हाथों सत्ता सौंपने का निर्णय कर लें?

निष्पक्ष होकर विचार करेंगे तो इन दोनों प्रश्नों का उत्तर हां में नहीं आ सकता है। तीन चरणों के मतदान में कमी से माहौल ऐसा बनाया गया मानो लोग मोदी सरकार से रुष्ट थे जिस कारण मतदान गिरा है। यह भी अजीब बात है कि सामान्यतः मतदान घटने को सत्ता के पक्ष का संकेत माना जाता था। हालांकि 2010 से मतदान के घटने या बढ़ने से किसी की सत्ता जाने या आने के संकेत की धारणा खत्म हो चुकी है। विपक्ष का यह दावा कैसे मान लिया जाए कि भाजपा के मतदाता नहीं आ रहे हैं और उनके मतदाता निकल रहे हैं? क्या जिन परिस्थितियों में और जिन अपेक्षाओं से 2014 में भारत के लोगों ने 1984 के बाद एक नेता और दल के नेतृत्व में बहुमत दिया और 2019 में सशक्त किया उनके संदर्भ में ऐसी निराशाजनक प्रदर्शन सरकार है कि लोग उसे वाकई हटाने के लिए तैयार हो जाएं?

सच यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी ने उन परिस्थितियों और अपेक्षाओं के संदर्भ में कुछ ऐसे काम किए हैं जिनकी उम्मीद उनके अनेक समर्थकों ने नहीं की थी। भाजपा को राजनीति में संघ विचारधारा का प्रतिनिधि माना जाता है। हिंदुत्व, हिंदुत्व आधारित राष्ट्र भाव और वैश्विक दर्शन इसके मूल में है। इस कारण देश का बहुत बड़ा वर्ग उससे हिंदुत्व के मामलों पर विचार और व्यवहार में प्रखरता की उम्मीद करता है। नरेंद्र मोदी सरकार ने पहले दिन से इस दिशा में पूर्व सरकारों से अलग मुखर भूमिका निभाने की कोशिश की। यह नहीं कह सकते कि हिंदुत्व के मामले में जितनी अपेक्षाएं थीं सब पूरी हुई पर जो कमी पहली सरकार में थी वह अमित शाह के गृह मंत्री बनने के बाद काफी हद तक खत्म हुई हैं। उदाहरण के लिए किसी ने कल्पना नहीं की थी कि सरकार धारा 370 को एक दिन में समाप्त कर देगी। इसी तरह मुस्लिम समुदाय में समाज सुधार की दृष्टि से एक साथ तीन तलाक जैसे विषय को जिसे गलत तरीके से मजहब से जोड़ दिया गया है उसे खत्म करने का कानून बनाया जाएगा इसकी भी अपेक्षा नहीं थी। 1985 में शाहबानो प्रकरण के बाद भारत के राजनीतिक प्रतिष्ठान में धारणा बन गई थी कि मुसलमान से संबंधित कुरीतियों, गलत प्रथाओं आदि को यूं ही छोड़ दिया जाए अन्यथा समुदाय कट्टरपंथियों के आह्वान पर उथल–पुथल मचा देगा। अयोध्या में वाकई श्री राम मंदिर बन जाएगा और रामललि की प्राण प्रतिष्ठा हो जाएगी इसकी भी उम्मीद बहुत कम लोगों को थी। उच्चतम न्यायालय ने फैसला दिया लेकिन सभी केंद्र में सत्ता का नियंत्रण मोदी और शाह के हाथों नहीं होता तथा उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार नहीं होती तो न समय सीमा में मंदिर का निर्माण होता और न रामलला की प्रण प्रतिष्ठा हो पाती। विदेश नीति में इस समय भारत संपूर्ण विश्व में उस प्रभावी और विश्वसनीय स्थान पर है जहां एक दूसरे के दुश्मन देश या देशों का समूह इसके साथ संबंध बनाए रखने के लिए तत्परता दिखा रहे हैं। पहली बार इतनी प्रखरता से भारत अंतर्राष्ट्रीय पटल पर अपनी बात रख रहा है और विश्व समुदाय सुन भी रहा है। चीन जैसा आर्थिक एवं सैन्य दृष्टि से शक्तिशाली देश हमारे विरुद्ध है। उतना सशक्त न होते हुए भी विश्व कूटनीति में हम सफलतापूर्वक मुकाबला कर रहे हैं। विश्व भर में भारत में वांछित आतंकवादियों की लगातार हत्याएं हो रही हैं। कौन कर रहा है कैसे कर रहा है इस विषय पर अलग–अलग मत हो सकते हैं। कनाडा ने भारत सरकार पर आरोप लगाया तो अमेरिका ने भी आतंकवादी पन्नू की हत्या के प्रयास के पीछे भारत की भूमिका का उल्लेख किया है। पाकिस्तान लगातार कह रहा है कि भारत की एजेंसियां ही उसके देश के अंदर नागरिकों की हत्याएं करा रहा है। पाकिस्तान में जितने को मारा गया वह सब आतंकवादी थे। भारत विरोधी आतंकवादियों में पूरी दुनिया के अंदर दहशत पैदा हो चुका है। अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में दुनिया की सबसे तेजी से विकास करता हुआ देश भारत है। हमारा शेयर बाजार जबरदस्त ऊंचाइयों पर है। ऐसा नहीं है कि लोगों की सारी अपेक्षाएं पूरी हो गई हैं और हर व्यक्ति सुख समृद्धि और निश्चितता की अवस्था में पहुंच गया है। क यूपीए सरकार की निराशाजनक स्थिति से उलट सकारात्मक और आशाजनक तस्वीर अवश्य है।

उम्मीदवारों के चयन, गठबंधन आदि को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं, नेताओं और समर्थकों के अंदर असंतोष और नाराजगी देखी गई है जो स्वाभाविक है मोदी और शाह का नेतृत्व, प्रबंधन, नियंत्रण, जगह–जगह नेताओं से संवाद करने, उन्हें संभालने की क्षमता तथा उसके साथ केंद्र से प्रदेश के स्तरों पर विश्वसनीय लोगों के समूह की सक्रियता का सामना विपक्ष करने की स्थिति में नहीं है। भाजपा का समर्थन और विरोध दोनों के पीछे उसकी विचारधारा को लेकर निर्मित सोच होती है। भारत और दुनिया भर के विरोधी अगर मोदी सरकार को हर हाल में सत्ता से हटाना चाहते हैं तो उसके पीछे मूल कारण इस विचारधारा के आधार पर खड़ा होता हुआ स्वाभिमानी भारत ही है जिसे वह पसंद नहीं करते या जो उनके लिए खतरा हो सकता है। भारत में एक बहुत बड़ा वर्ग इस विचारधारा को समझ कर खड़ा है और उसे लगता है कि हमारे सामने राजनीति में एक मात्र विकल्प इस समय भाजपा ही है। विरोधी भारतीय राजनीति में आए इस बदलाव की शक्ति को अभी तक नहीं पहचान सके। प्रधानमंत्री ने अपने इंटरव्यू में कहा कि पहले केवल मोदी करते थे और बाद में इसमें योगी को भी जोड़ लिया। कानून व्यवस्था के प्रति योगी सरकार की सख्ती और सांप्रदायिकता के आरोपों की चिंता न करते हुए कठोरतापूर्वक कदम उठाने के कारण लोगों में अलग प्रकार की धारणा बनी है। विरोधियों का एक वर्ग हमेशा दुष्प्रचार करता रहता है कि अमित शाह योगी की लोकप्रियता से ईर्ष्या रखते हैं। सच यही है कि उनको मुख्यमंत्री बनाने के पीछे मोदी और शाह दोनों की भूमिका थी। ऐसी स्थिति में यह मान लेना कि विपक्ष के प्रचार के अनुरूप लोगों ने सरकार को हटाने का मन बना लिया है किसी के गले नहीं उतर सकता। आईएनडीआईए घटकों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जिम्मेवार और देश के लिए दूरगामी वाली सोच, कार्ययोजना एवं नेतृत्व की छवि प्रस्तुत नहीं की है। इसलिए यह मत मानिए कि देश भर के मतदाता उनके दावों के अनुरुप मतदान कर रहा है।

किशोर कानून का दुरुपयोग रोकने में नाकाम सिस्टम!

मनोज कुमार अग्रवाल

देश में बच्चों के लिए लागू किशोर न्याय अधिनियम 2015 का शातिर किशोर अपराधी जमकर दुरूपयोग कर रहे हैं बिडम्बना यह है कि साल छह महीने बाद वयस्क होने जा रहा किशोर जब वयस्क से भी क्रूर और संगीन अपराधिक वारदात को अंजाम देता है तब भी किशोर न्याय बोर्ड उसके अपराध को हल्के में ले रहे है हाल ही में किशोर अपचारियो द्वारा किए गए अपराध और उनके संदर्भ में अदालत द्वारा दिए गए आदेश परस्पर विसंगति दर्शा रहे हैं। आपको बता दें कि हाल ही में उत्तराखंड के एक स्कूल में 14 साल की गर्ल क्लासमेट का अश्लील वीडियो वायरल करने वाले छात्र को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया. इस वीडियो से हुई बदनामी के भय की वजह से पीड़ित बच्ची ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। मिली रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी को जमानत न देने वाले अदालत के इस फैसले से एक नजीर पेश हुई है कि कानून तोड़ने वाले बच्चों को अपराध गंभीर होने के बाद भी जमनात मिलनी चाहिए, ये अपवाद है। उत्तराखंड मामले में अदालत के फैसले के बाद पुणे के उस केस की चर्चा तेज हो गई है, जिसमें पोर्शे कार से दो लोगों की जान लेने वाले नाबालिग आरोपी को महज 300 शब्दों का निबंध लिखवाकर और अन्य शर्तों के साथ जुबेनाइल कोर्ट से जमानत मिल गई।हालांकि इस मामले में पुलिस आरोपी के लिए सख्त सजा की मांग कर रही है. उत्तराखंड का मामला पुणे केस में भी एक नजीर साबित हो सकता है। इन दोनों मामलों में दोनों अदालतों के नजरिए में साफ विसंगति नजर आ रही है एक ओर सर्वोच्च न्यायालय की पीठ उस किशोर अपचारी की जमानत याचिका खारिज करने के हाइकोर्ट के निर्णय को सही ठहराती है जिस किशोर की कथित करतूत के कारण एक नाबालिग छात्रा ने सुसाइड कर अपनी जान गंवा दी दूसरी ओर निचली अदालत ने 17 साल के उस उद्दंडी नाबालिग को हाथों हाथ जमानत देदी थी जिसने शराब पीकर रश ड्राइविंग कर दो युवा आइटी इंजिनियरो को पुणे में सड़क पर कुचल कर मार दिया। जब किसी बच्चे द्वारा कानून या समाज के खिलाफ कोई कार्य किया जाता है, तब उसे बाल अपराध की संज्ञा दी जाती है जिसे किशोर अपराध अथवा बाल अपचारिता भी कहा जाता हैकिशोर न्याय कानूनों में अपराध शब्द की जगह अपचारिता शब्द का प्रयोग किया गया है, क्योंकि समाज का मानना है कि बच्चे कभी अपराध नहीं करते, उनके कृत्य अभद्र, अशिष्ट या निन्दनीय हो सकते हैं, लेकिन वे कभी दण्ड योग्य नहीं हो सकते।भारत में बाल न्याय अधिनियम, 1986 (संशोधित 2000) के तहत 16 वर्ष की आयु तक के बालकों एंव 18 वर्ष की आयु तक की बालिकाओं द्वारा किये गए कानून विरोधी कार्य बाल अपराधी की श्रेणी में आते है यह अलग बात है की राज्य एंव देश के अनुसार बाल अपराधी की अधिकतम आयु सीमा भी अलग हो सकती हैबाल अपराध के सम्बन्ध में हम केवल आयु को ही निर्धारित नहीं मान सकते इसमें कभी कभी अपराध की गंभीरता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, यानि 7 से 16 का बालक या 7 से 18 वर्ष की बालिका द्वारा कोई ऐसा अपराध किया जाता है, जिसकी सजा मृत्यु दण्ड या आजीवन कारावास है, उस स्थिति में हम उन्हें बाल अपराधी नहीं मान सकते, जैसे ह्र हत्या, देशद्रोह, घातक आक्रमण आदि कार्य को करना।

बदलते परिवेश में क्रूर हुए किशोर अपचारी समाज में आ रहे सामाजिक बदलाव व अपराध की बढ़ती प्रवृति लोकाचार का समाप्त हो रहा भय डॉन बतौर पहचान बनाने की ललक जैसे कारण है कि किशोरों में अपराधिक प्रवृति बढ़ रही है राजधानी दिल्ली में ही पिछले कुछ वर्षों में कई नृशंस हत्याकांड को नाबालिग किशोर अपचारियो ने कारित किया है देश भर में किशोर अपचारियो की अपराधिक करतूतें लगातार बढ़ रही हैं ऐसी स्थिति में कानून द्वारा किशोर अपचारियो को दिया गया संरक्षण अनेक गंभीर मामलों में उनकी अपराध करने की मनोवृति को प्रोत्साहित करने का काम करता मालूम पड़ता है। यहां तक कि अब संगठित गिरोह कानून में मिल रही नरमदिली का फायदा उठाकर किशोरों के हाथों सुपारी किलिंग जैसे अपराध को अंजाम दिलाने के लिए किशोरों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हमारे विधि एवं न्याय व्यवस्था के नीति निर्माताओं को इन तथ्यों पर भी विचार कर किशोरों को मिल रही साफ्ट हार्ट ट्रीटमेंट की पुनर्समीक्षा करनी होगी।

उत्तराखंड का मामला

उत्तराखंड के स्कूल में हुए अश्लील वीडियो मामले में इस साल 10 जनवरी 2024 को, जुबेनाइल कोर्ट, हरिद्वार ने 'कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चे' की जमानत याचिका खारिज कर दी थी. बच्चे पर आईपीसी की धारा 305 और 509 और पोक्सो अधिनियम की धारा 13 और 14 के तहत मामला दर्ज किया गया था। जुबेनाइल कोर्ट के फैसले को हाई कोर्ट की तरफ से बरकरार रखे जाने के बाद आरोपी लड़के ने अपनी मां के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

सीनियर वकील लोक पाल सिंह ने अदालत में दलील दी कि बच्चे के माता–पिता उनकी देखभाल करने के लिए तैयार हैं, उसे बाल सुधार गृह में नहीं रखा जाना चाहिए और उसकी हिरासत उसकी मां को दी जानी चाहिए. लेकिन न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की शीर्ष अदालत की बेंच ने हाल ही में सोमवार को हाई कोर्ट के फैसले की जांच करते हुए लड़के को जमानत देने से इनकार करने के फैसले को सही पाया। बता दें कि हाई कोर्ट ने जमानत देने से इनकार करते हुए लड़के को 'गैर अनुशासित बच्चा' कहा था। बच्ची के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि लड़के ने उनके अश्लील वीडियो शूट कर क्लिप को छात्रों के बीच सर्कुलेट किया. बदनामी के डर से उनकी बेटी ने जान दे दी। बता दें कि अश्लील वीडियो सर्कुलेट होने के बाद बच्ची पिछले साल 22 अक्टूबर को अपने घर से लापता हो गई थी और बाद में उसका शव बरामद किया गया था. उत्तराखंड हाई कोर्ट के जज न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी ने 1 अप्रैल को आरोपी को जमानत देने से इनकार करते हुए एक तर्कसंगत आदेश दिया था. उन्होंने कहा कि कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चे के लिए, हर अपराध जमानती है और वह सीआईएल जमानत का हकदार है, भले ही अपराध को जमानती या गैर–जमानती के रूप में वर्गीकृत किया गया हो.हालांकि, अदालत ने आगे कहा कि अगर यह मानने के लिए उचित आधार है कि रिहाई से 'कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चे' को किसी ज्ञात अपराधी की संगति में लाने, उसे नैतिक, शारीरिक या मनोवैज्ञानिक खतरे में डालने की संभावना है, या फिर उसकी रिहाई से न्याय के उद्देश्य विफल हो जाएंगे, तो उसकी जमानत से इनकार किया जा सकता है।

बच्चों किशोरों के अपराध की ओर आकर्षित होने के पीछे की सामाजिक बदलाव भी जिम्मेदार है। आजकल छोटे न्यूक्लियर परिवार में एक दो बच्चे होते हैं जो मां–बाप के लाड प्यार में बेहद जिद्दी लापरवाह व उद्दंडी हो जाते हैं अधिकांश परिवारों में दादा दादी ताऊ ताई या अन्य बड़ो का हस्तक्षेप या संरक्षण भी शून्य हो चला है। साथ ही आउटडोर गेम में हिस्सेदारी न कर अधिकांश बच्चे मोबाइल पर चिपके हैं मोबाइल इन बच्चों को तमाम फूहड़ विकृति भरा माहौल घर बैठे दे रहा है तमाम तरह की गंदी रील नृशंसता क्रूरता हैवानियत ओटीटी प्लेटफार्म पर भरमार है ऐसी स्थिति में बच्चे समय से पहले सेक्स और अपराध की ओर बढ़ रहे हैं पुणे सड़क दुर्घटना के मामले में ही गौर कीजिए सत्रह साल का किशोर दो करोड़ की पॉर्श गाड़ी में रात के एक बजे पब में शराब की पार्टी करता है 48000 का पब का भुगतान किया जाता है फिर ढाई सौ की स्पीड पर गाड़ी ड्राइव करता है लेकिन दो युवा आइटी इंजीनियरों को कुचलने के लिए पकड़े जाने पर नाबालिग होने का कानूनी लाभ उठाता है। जाहिर है कि हमारा समाज बच्चों किशोरों को अनुशासित बनाने और लोकाचार शिष्टाचार संस्कार देने में नाकाम होता जा रहा है। इन हालातों को देखते हुए बाल किशोर अपचारियो के लिए बनाए गए कानून का पुनरीक्षण कर पुनः परिभाषित करने की जरूरत है तथा वयस्क वय के करीब पहुंच रहे पंद्रह साल आयु पूरी कर चुके अपचारियो के खिलाफ वयस्क अपराधियों जैसी कानूनी कार्रवाई करने की जरूरत है ताकि बढ़ती अपराधिक प्रवृति को नियंत्रित किया जा सके साथ ही किशोरों के लिए बनाए गए रियायती कानून का दुरुपयोग रोका जा सके।

प्रकृति और पर्यावरण में जहर घोलने से बढ़ी जानलेवा गर्मी

ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव के प्रचार की गर्मी भले ही समाप्त हो गयी हो लेकिन प्रकृति से जुड़ी गर्मी सौ–डेढ़ सौ वर्षों का रिकार्ड तोड़ते हुए कहर बरपा रही है। दिल्ली का पारा 50 डिग्री से तो ज्यादा ही रहा है। देश के 17 से अधिक शहरों में तापमान उच्चतम स्तर पर चल रहा है। यह एक तरह का प्राकृतिक आपातकाल है। हीटवेव या यों कहें कि लू के थपेड़ों ने जनजीवन को मौत के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। लू या हीटवेव या तापघात के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में मौत के समाचार भी आ रहे हैं। तस्वीर का एक पहलू यह है कि अभी तक सही मायने में हमारे देश में हीटवेव को डिजास्टर मैंनेजमेंट में पूरी तरह से शामिल नहीं किया गया है। वैज्ञानिक बता रहे हैं कि शहरों में हीट आइलैंड बन रहे हैं, जिसके लिए मुख्य रूप से सीमेंट–तारकोल और कृत्रिम वातानुकूलित (एसीवाली) जीवनशैली जिम्मेदार है। कंक्रीट और तारकोल के जंगलों का विस्तार करने को जब तक हम अपनी जरूरत समझते रहेंगे तब तक हरे–भरे जंगलों को कटने से कोई नहीं रोक सकेगा। दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर देश जब तक जीडीपी से विकास को मापेगा, बेहिसाब औद्योगीकरण एवं शहरीकरण की होड़ रहेगी, तब तक पर्यावरण असंतुलन एवं गर्मी का प्रकोप ऐसे ही विनाश का कारण बनता रहेगा।

इस बार बढ़ती गर्मी ने सारे रेकॉर्ड तोड़ दिये हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। राजधानी दिल्ली के एक इलाके में अधिकतम पारा 52.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो देश के इतिहास का सबसे ज्यादा तापमान है। राजस्थान के चुरु और फलोदी आदि का पारा तो 50 के आसपास या ऊपर ही चल रहा है। जैसलमेर आदि स्थानों पर गर्मी इतने तेज है कि धरती तवे की तरह तप रही है, लोगों ने पापड़ सेक कर या आमलेट बनाते हुए दृश्य सोशल मीडिया पर दिखाये हैं। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर होते जा रहे है। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल हो रहा है। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा नहीं तो आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार

से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम नहीं बल्कि गरीबी मारती है।

जलवायु परिवर्तन का असर अब ज्यादा स्पष्ट तौर पर दिखने लगा है। अगर गर्मी पड़ रही है तो पिछले कई दशक के रिकॉर्ड तोड़ रही है। अगर बारिश हो रही है तो कुछ घंटों में ही पूरे मॉनसून की बरसात के बराबर पानी गिर रहा है। सर्दी भी साल–दर–साल नए रिकॉर्ड बना रही है। कुल मिलाकर हर मौसम अब अप्रत्याशित क्रूरतम रुख दिखा रहा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, अल नीनो और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की दोहरी मार के कारण धरती के तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इससे धरती पर मौजूद सभी जीव–जंतुओं, वनस्पति और इंसानों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। अनेक लोगों की भीषण गर्मी में जान चली गयी, बिहार की स्कूली छात्राएं बड़ी संख्या में बेहोश हो गयी। इन जटिल स्थितियों को देखते हुए गर्मी के मौसम में काम के घंटों का निर्धारण एवं स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों की अवधि मौसम की अनुकूलता के अनुरूप ही होनी चाहिए। आसन्न संकट को महसूस करते हुए दीर्घकालीन रणनीति, इस चुनौती से निपटने के लिये बनाने की जरूरत है। दुनियाभर में अगले 20 साल के भीतर कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग में कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल–दर–साल बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर बदलते मौसम की चुनौतियों को गंभीरता से लेना होगा। समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा।

यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा शृंखला भी प्रभावित होगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है। एशिया के अलावा यूरोप व अमेरिकी देशों में भी तापमान में अप्रत्याशित बदलाव नजर आ रहा है। सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। खासकर ऐसे समय में जब हरियाणा व राजस्थान में पारा पचास पार करके गंभीर चुनौती का संकेत दे रहा है। स्कूल–कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगह धारा 144 लागू की गई है, जो इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं। सरकारें भी जल के नाम पर राजनीति करती है। दिल्ली के अनेक इलाकों में बढ़ती गर्मी के साथ जल आपूर्ति एक बड़ी समस्या बनी हुई है। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को पानी से बुझाना चाहते हैं। विभिन्न प्रांतों के बीच का यह विवाद आज हमारे लोकतांत्रिक ताने–बाने को छिन्न–भिन्न कर रहा है, जनजीवन से खिलवाड़ कर रहा है। जीवनदायक वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त में दे रखी है। पानी, हवा एवं प्यार और आज वे ही विवादास्पद, दूषित और झूठी हो गयी हैं। इस तरह की तुच्छ एवं स्वार्थ की राजनीति करने वाले नेता क्या गर्मी एवं जल–समस्याओं का समाधान दे पायेंगे?

लोकसभा चुनाव प्रचार के बीच सुर्खियों में रहीं ये पांच महिलाएं

नयी दिल्ली/एजेंसी

2024 के चुनाव में सियासी पार्टियों के नेताओं प्रचार में पूरा दम दिखाया वहीं इस चुनाव में महिला ब्रिडेड भी पीछे नहीं रही। कई महिला प्रत्याशी और स्टार प्रचारकों ने चुनाव में धुआंधार प्रचार किया। वहीं कई ऐसे बयान भी दिए, जो लगातार चर्चा में रहे ।यानी इन महिलाओं ने अपने बयानों से खूब सुर्खियां बंटोरी।

कंगना रनौत

अब बात मंडी हाई प्रोफाइल सीट यहां से फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत चुनाव लड़ रही हैं। और अपने बयानों से लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। कंगना के प्रचार के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर योगी आदित्यनाथ तक पहुंचे।

नवनीत राणा

महाराष्ट्र के अमरावती से बीजेपी प्रत्याशी नवनीत राणा ने जूनियर ओवैसी के पुराने बयान को लेकर कहा था कि हमें तो सिर्फ 15 सेकेंड लगेंगे। उनके इस बयान पर बड़े ओवैसी ने कहा था- 'छोटा तोप है, वो तो उसे रोक के रखा है वरना....' यह वाकयुद्ध सोशल मीडिया पर कई दिनों तक देखने को मिला था।

स्मृति ईरानी

अब बात अमेठी और रायबरेली की। यहां अमेठी से स्मृति ईरानी चुनाव लड़ रही हैं। लेकिन कांग्रेस के प्रचार की कमान संभालने वाली प्रियंका वाड्रा के बीच जबरदस्त तल्खी देखने को मिली।

माधवी लता

हैदराबाद से प्रत्याशी माधवी लता जो एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरीं। धुआंधार प्रचार के दौरान उनका अंदाज जबरदस्त चर्चा का विषय रहा। माधवी लता के मस्जिद की ओर तीर का निशाना वाली तस्वीर पर यानी माधवी के इस इशारे पर जमकर सियासत हुई ।लेकिन उन्होंने हैदराबाद से ओवैसी को उखाड़ फेंकने का दावा किया है।

प्रियंका गांधी

प्रियंका अपने भाई राहुल के लिए रायबरेली के साथ अमेठी में भी चुनाव प्रचार कर रही हैं...और अपने प्रचार के अंदाज और बयानों से चर्चा में हैं।

बेहद आक्रामक रहा बंगाल का चुनावी अभियान

मोदी और ममता के बीच जुबानी जंग की भी खूब रही चर्चा

कोलकाता/एजेंसी

लोकसभा 2024 को लेकर, विशेषकर इसके सातवें व अंतिम चरण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच जुबानी जंग काफी बढ़ गई है। ये दोनों ही नेता क्रमशः भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के सबसे बड़े चेहरे हैं।

एक-दूसरे की धुर विरोधी भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के बीच बढ़ी जुबानी जंग राज्य में जगह-जगह चर्चा का विषय बन गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में दावा किया था कि, भाजपा सबसे अच्छा प्रदर्शन पश्चिम बंगाल में करेगी। इसका बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस नेत्री ममता बनर्जी ने तीखी भाषा में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि अगर वह (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) कहते हैं कि, भाजपा सबसे अच्छा प्रदर्शन पश्चिम बंगाल में करेगी तो इसका साफ मतलब है कि, बिहार और यूपी में भाजपा उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं करेगी। अब वही बताएं कि बिहार और यूपी में अच्छा प्रदर्शन किए बिना केंद्र में सरकार बना पाना संभव है? ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री जी अब केवल सात या आठ दिन ही बोल सकते हैं। उसके बाद वह वहां नहीं रहेंगे। वहीं, दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोलकाता व आसपास के लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार के दौरान यह आरोप लगाया कि यहां (पश्चिम बंगाल में) हिंसा के बिना कोई वोट नहीं होता। हमें लोकतंत्र की रक्षा के लिए रात में जागना पड़ता है। पीएम ने आरोप लगाया कि मुस्लिम वोट बैंक को लेकर तृणमूल कांग्रेस तुष्टीकरण की राजनीति करती है। वह आकंठ भ्रष्टाचार में संलिप्त है।

न्यायपालिका को भी आंखें दिखाती है। टीएमसी मुस्लिम वोटों को ध्यान में रखते हुए नियमों का उल्लंघन करके जारी किए गए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) प्रमाणपत्रों को खारिज करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले की आलोचना करती है। मुसलमानों को खुश करते हुए तृणमूल कह रही है कि वह हाई कोर्ट के फैसले को नहीं मानेगी।'

लोकसभा चुनाव 2024

प्रियंका गांधी ने 55 दिन में की 108 जनसभाएं, रोड शो भी शामिल

नयी दिल्ली/एजेंसी

लोकसभा चुनाव में प्रियंका गांधी के भाषण चर्चा के विषय रहे। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि सधे हुए अंदाज में उन्होंने प्रधानमंत्री के आरोपों का जवाब दिया। कांग्रेस के मुताबिक प्रियंका ने प्रधानमंत्री व भाजपा के नैरेटिव को अपने बेबाक भाषणों से धराशायी किया। प्रियंका के भाषणों की संवाद, बातचीत की शैली, सौम्यता, सादगी एवं विनम्रता इस दौरान जनता की पसंद बनी। गुरुवार को प्रियंका गाधी वाड्रा ने लोकसभा चुनाव अभियान की समाप्ति एक रोड शो के साथ हिमाचल प्रदेश के सोलन में की। इससे पहले गुरुवार को ही उन्होंने जाखू मंदिर, हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर अंतिम रोड शो सोलन में किया। कांग्रेस पार्टी के मुताबिक 55 दिनों के इस चुनाव अभियान में प्रियंका ने 108 जनसभाओं एवं रोड शो में हिस्सा लिया। अमेठी और रायबरेली में हज़ारों कार्यकर्ताओं के दो सम्मेलनों को भी उन्होंने संबोधित किया।

- **रायबरेली और अमेठी में चलाया सबसे तेज अभियान**

चुनाव अभियान के दौरान प्रियंका ने 100 से अधिक मीडिया बाइट्स, 5 प्रिंट मीडिया इंटरव्यू, 1 टीवी इंटरव्यू भी किया। कांग्रेस का मानना है कि प्रियंका गांधी ने हर दिन 2-3 जनसभाओं और रोड शो के जरिए चुनाव अभियान को धार दी। सबसे तेज अभियान उन्होंने रायबरेली और अमेठी में चलाया। यहां उन्होंने हर दिन औसतन 8-10 सभाओं, स्वागत समारोह और रोड शो में हिस्सा लिया।

- **प्रियंका ने यूपी चुनाव अभियान का जिम्मा उठाया**

उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में डेरा डालकर प्रियंका ने चुनाव अभियान का जिम्मा उठाया। कांग्रेस का कहना है कि उन्होंने कर्नाटक और केरल के भी चुनाव अभियान में जान फूंकी। असम और त्रिपुरा की सबसे महत्वपूर्ण सीटों पर चुनाव अभियान किया। उत्तराखंड के गढ़वाल व कुमाऊं, महाराष्ट्र के मराठवाड़ा व उत्तर महाराष्ट्र, कर्नाटक के मैसूर कर्नाटक, कल्याण कर्नाटक, कित्तूर कर्नाटक, पंजाब के मालवा क्षेत्रों की सीटों को भी कवर किया।झारखंड की आदिवासी बाहुल्य सीटों, राजस्थान में मारवाड़, पूर्वी राजस्थान, जयपुर क्षेत्र, मत्स्य क्षेत्र (अलवर) की सीटों, छत्तीसगढ़ के दुर्ग संभाग, बस्तर संभाग, रायगढ़ संभाग और मध्य प्रदेश की चंबल की सीटों को भी उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान कवर किया। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि प्रियंका की सहारनपुर, धुबरी, फतेहपुर सीकरी, सिरसा, नंदूरबार, कुल्लू, वायनाड, ज़हीराबाद, वाराणसी की जनसभा व रोड शो में लोगों की रिकॉर्ड उपस्थिति देखने को मिली।

लोकसभा चुनाव 2024 अंतिम चरण

आज 8 राज्यों की 57 सीटों पर वोटिंग

वाराणसी से ढट मोदी मैदान में, कंगना, रवि किशन, पवन सिंह समेत 4 एक्टर भी चुनाव लड़ रहे

नयी दिल्ली/एजेंसी

लोकसभा चुनाव-2024 के सातवें और अंतिम फेज में शनिवार (1 जून) को 7 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश की 57 सीटों पर वोटिंग होगी। 2019 में इन सीटों में से सबसे ज्यादा भाजपा 25, टीएमसी 9, बीजद 4, जदयू और अपना दल (एस) 2-2, जेएमएम महज 1 सीट जीत सकी थी। कांग्रेस को केवल पंजाब की बदौलत 8 सीटों पर जीत मिली थी। इस फेज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 2 केंद्रीय मंत्री आरके सिंह और अनुराग ठाकुर मैदान में हैं। 4 एक्टर- कंगना रनोट, रवि किशन, पवन सिंह, काजल निषाद भी चुनाव लड़ रहे हैं। इनके अलावा ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी, अफजाल अंसारी, विक्रमादित्य सिंह भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक इलेक्शन के सातवें फेज में 904 कैंडिडेट्स चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें 809 पुरुष और 95 महिला उम्मीदवार हैं। इस फेज में सबसे अमीर प्रत्याशी बठिंडा, पंजाब से उम्मीदवार हरसिमरत कौर बादल हैं। उनके पास 198 करोड़ रुपए की संपत्ति है।

542 लोकसभा सीटों के लिए छठे फेज तक 485 सीटों पर मतदान हो चुका है। 1 जून को आखिरी 57 सीटों पर वोटिंग होगी। गुजरात में सूरत से भाजपा के उम्मीदवार रहे मुकेश दलाल निर्विरोध चुनाव जीत चुके हैं, इसलिए वोटिंग 542 सीटों पर ही हो रही है।

लोकसभा चुनाव 2024

पीएम मोदी ने इस पूरे चुनाव के मद्देनजर 206 जनसभाएं और रोड शो किए

नयी दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को पंजाब के होशियारपुर में एक रैली के साथ अपने चुनावी अभियान का समापन किया। इसके साथ ही उन्होंने निर्वाचन आयोग द्वारा 16 मार्च को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा किए जाने के बाद से कुल 206 जनसभाएं और रोड शो किए। प्रधानमंत्री ने इससे पहले 2019 के चुनावों के दौरान लगभग 145 सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था। इस बार उन्होंने इससे ज्यादा चुनाव प्रचार किया और जनसभाओं को संबोधित किया। इस बार चुनाव प्रचार का समय 76 दिनों का था, जबकि पांच साल पहले चुनाव में 68 दिन थे। निर्वाचन आयोग ने जब चुनावों की घोषणा की थी तो मोदी दक्षिण भारत के राजनीतिक दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने 15 मार्च से 17 मार्च के बीच तीन दिनों में दक्षिण भारत के सभी पांच राज्यों को कवर किया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की इस चुनाव में कोशिश तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश में अपनी स्थिति मजबूत करने की है। इन तीनों राज्यों में 2019 के चुनाव में भाजपा एक भी सीट जीत नहीं सकी थी। पार्टी के लिए इस चुनाव में कर्नाटक में अपनी ताकत बनाए रखने और तेलंगाना में अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश भी रही है। साल 2019 में भाजपा ने कर्नाटक की 28 में से 25 सीट जीती थी जबकि तेलंगाना में उसने चार सीट पर सफलता दर्ज की थी। प्रधानमंत्री मोदी के इस धुआंधार चुनाव प्रचार का जनता पर कितना असर रहा, इसका पता तो 4 जून को ही लगेगा जब चुनाव परिणाम घोषित होंगे। करीब 73 साल की उम्र में मोदी ने जितनी सभाएं की और जो दूरी तय की, इस मामले में उनके नजदीक भी कोई नेता नहीं टिकता। वह अपनी पार्टी के लिए मतदाताओं को आकर्षित वाला सबसे बड़ा आकर्षण रहे।

एक नजर

ट्रांसफॉर्मर से तेल चोरी करते तीन गिरफ्तार

अररिया। जिले में भरगामा थाना पुलिस ने बिजली के ट्रांसफॉर्मर से तेल चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्य को चोरी के तेल,कंटेनर सहित अन्य समान और कार के साथ गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना पर रघुनाथपुर उत्तर पंचायत के शेखपुरा गांव में लगे ट्रांसफॉर्मर से तेल चोरी करते पुलिस ने धर दबोचा। पकड़े गए चोर में बेगूसराय जिला के बरौनी थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या-30 के रहने वाले जफर आलम पिता -मो.नसीम है। जो वर्तमान समय में अररिया आरएस थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या-9 के चकरदह गांव में रह रहा था। दो अन्य चोरों में महलगांव थाना क्षेत्र के मलहरिया वार्ड संख्या 4 के रहने वाले मो सरवर पिता -मो मुद्दीन और अररिया आरएस के चकरदह वार्ड संख्या 9 के रहने वाले मो वाहिद पिता -मो.कबीर है। मामले की जानकारी देते हुए भरगामा थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना पर पुलिस के द्वारा यह कार्रवाई की गई।

राजनीतिक गतिविधि करने पर पंचायत शिक्षक पर गिरी गाज

किशनगंज। प्राथमिक विद्यालय मोजीबुल टोला शाहनारा, कोचाधामन में तैनात पंचायत शिक्षक वसी असगर उर्फ.मुन्ना को राजनैतिक गतिविधियों में संलिप्त होने के कारण सचिव, पंचायत शिक्षक नियोजन ईकाई द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इससे पहले शिक्षक वसी असगर की राजनैतिक गतिविधियों में संलिप्तता की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त हुई। इसके बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा इसका संज्ञान लेकर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कोचाधामन से इस मामले की जांच कराई गई। प्रतिवेदन के आधार पर जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा पंचायत शिक्षक वसी असगर के नियोक्ता पंचायत सचिव सह सचिव पंचायत शिक्षक नियोजन ईकाई,कोचाधामन को शिक्षक वसी असगर पर कार्यवाही करने का आदेश दिया गया।

भारी मात्रा में मादक पदार्थ के साथ ट्रक चालक गिरफ्तार

कूचबिहार। निशिगंज चौकी की पुलिस ने 919 ग्राम ब्राउन शुगर और 21 ग्राम याबा टैबलेट के साथ एक ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है। आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, निशिगंज चौकी की पुलिस ने गुप्त सूचना पर गुरुवार देर रात माथाभांगा-कूचबिहार राज्य राजमार्ग पर सिटकीबारी संलग्न इलाके में अभियान चलाकर एक मालवाहक ट्रक की तलाशी ली। इस दौरान ट्रक के चालक की केबिन से 919 ग्राम ब्राउन शुगर और 21 ग्राम याबा टैबलेट बरामद हुए। जिसके बाद निशिगंज चौकी की पुलिस ने ट्रक के चालक को गिरफ्तार कर लिया। इस बीच, घटना की सूचना मिलने पर माथाभांगा के एसडीपीओ समीरन हालदार और माथाभांगा पुलिस थाने के आईसी मौके पर पहुंचे।

भीषण अग्निकांड में छह दुकानें जलकर राख

कूचबिहार। कूचबिहार दो नंबर ब्लॉक के डोडरहाट बाजार में आग लगने से छह दुकानें जलकर राख हो गई है। आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग से लाखों का नुकसान होने का अनुमान है। खबर मिलते ही दमकल के दो इंजन मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पर काबू पाया। आग में सैलून, आभूषण आदि की दुकानें जल गई हैं। दुकानदारों ने बताया कि रात को सभी रोजाना की तरह अपनी-अपनी दुकानें बंद कर घर चले गए थे। शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने खबर दी कि बाजार में आग लग गई है। आकर देखा तो दुकानें जल रही थी। बाद में दमकल की दो इंजन मौके पर पहुंची और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक छह दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गई। व्यवसायियों का दावा है कि आग में 30 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है।

भारी मात्रा में हथियारों के साथ एक गिरफ्तार

सीवान : मैरवा पुलिस ने गुप्त सूचना पर मैरवा थाने के इमलौली गांव में छापेमारी कर भारी मात्रा में हथियार बरामद किया है। इस मामले में 1 व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। मामले की जानकारी देते हुए एसडीपीओ सदर 2 अजीत प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि मिथुन यादव के यहां भारी मात्रा में अवैध हथियार रखा गया है। एसडीपीओ के नेतृत्व में छापेमारी की गई। जिसमें कारबाइन, देशी पिस्टल, रिवाल्वर तथा कारतूस बरामद किया गया है। बरामद हथियार क्यो जमा किया गया था। पुलिस इसकी जांच कर रही है। इस मामले में बताया जा रहा है कि मिथुन यादव को गिरफ्तार किया गया है। छापेमारी में मैरवा सर्किल इंस्पेक्टर मुकेश कुमार झा थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार साह एक एसआईटी की टीम शामिल रही।

सीसीटीवी व अर्द्धसैनिक बलों की सुरक्षा में ईवीएम, मजिस्ट्रेटों की होगी तैनाती

लगभग 120 कैमरे विभिन्न एंगल से लगाए गए हैं। परिसर का कोई भी हिस्सा इससे अछूता नहीं है

एजेंसी

गोपालगंज। लोकसभा चुनाव के मतगणना को लेकर प्रयोग की गई 2006 ईवीएम स्ट्रांग रूम में कैद हो गईं। थावे डायट के पूरा परिसर अर्धसैनिक बलों के हवाले कर दिया गया है। राउंड द क्लॉक मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। पूरे परिसर में पत्ता भी खड़का तो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो जाएगी। 25 मई के चुनाव के बाद ईवीएम मशीनें देर रात तक रिसीव की गई। इन्हें स्ट्रांग रूम में रखवा दिया गया। स्ट्रांग रूम को सील कर दिया गया।

मतगणना 4 जून को होनी है। ईवीएम की सुरक्षा को लेकर तगड़े इंतजाम किए गए है। थावे के डायट के पूरे परिसर को सीसीटीवी के दायरे में कर दिया गया है। लगभग 120 कैमरे विभिन्न एंगल से लगाए गए हैं। परिसर का कोई भी हिस्सा इससे अछूता नहीं है। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के तीन लेयर का सुरक्षा घेरा तैयार किया गया है। परिसर के बाहर पुलिस की चारों ओर से तैनाती की गई है। जैसे-जैसे अंदर बढ़ेंगे सुरक्षा घेरा अर्धसैनिक बलों के हवाले होता जाएगा। थावे के शिक्षण महाविधायल परिसर सुरक्षा बलों के हवाले कर है। स्ट्रांग रूम के गेट पर सशस्त्र बल 24 घंटे तैनात किए गए। किसी को भी स्ट्रांग रूम के पास तक फटकने की अनुमति नहीं है। सुरक्षा पर नजर रखने के लिए परिसर में ही कंट्रोल रूम स्थापित कर दिया गया है। यहां सीसीटीवी की स्क्रीन लगाई गई है। सबसे ऊपर पूरा परिसर मजिस्ट्रेटों के हवाले है। राउंट द क्लॉक ड्यूटी के लिए तीन मजिस्ट्रेट लगाए गए हैं। यह आठ-आठ घंटे की ड्यूटी करेंगे। प्रत्याशियों के लिए कंट्रोल रूम से बाहर सीसीटीवी से जुड़ी एक एलईडी लगाई गई है। जहां से कोई भी प्रत्याशी ईवीएम रखे स्ट्रांग रूम की सुरक्षा को आसानी से देख सकता है।

यह व्यवस्था मतगणना तक के लिए लागू की गई है। समय-समय पर सुरक्षा का जायजा लेने के लिए जिले के बड़े अफसर यहां का दौरा कर सकते हैं। डीएम मो मकसूद आलम व एसपी स्वर्ण प्रभात प्रतिदिन डायट के जायजा लेने के आते है। उनके साथ सदर एसडीओ डॉ प्रदीप कुमार उप निर्वाचन पदाधिकारी डॉ शशिप्रकाश राय उपस्थित रहते है।

सर्पदंश से दस साल की बच्ची की मौत

पूर्वी चंपारण। जिले के सुगौली थाना क्षेत्र के उत्तरी छपरा बहास पंचायत के मेहवा गांव में सांप के काटने से एक दस वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। घटना के बाद परिजन में कोहराम मचा हुआ है। मृतका मेहवा गांव निवासी त्रिलोकी सहनी की पुत्री रंजनी कुमारी है। स्थानीय लोगो के अनुसार मृतका बगीचे में गई थी। जहां उसे सांप ने डस लिया, जिसके बाद वह घर पहुंची लेकिन परिजनों को सांप के काटे जाने की बात देर से पता चली, जिसके बाद परिजन स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से उसे इलाज के लिए मोतिहारी ले गए। जहां चिकित्सकों ने जांच-पड़ताल के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। उसके मरने की जानकारी मिलते हीं परिजन चीखने-चिल्लाने लगे।सर्पदंश से हुई बालिका की मौत की घटना से आस-पास के गांवों में सन्नाटा पसरा हुआ है।

आल इंडिया काइकोसिन काईकोन समर शिविर 2024 का आयोजन

संवाददाता

ककोलकता। ओडिशा में आल इंडिया काइकोसिन कईकोन समर शिविर 2024 आयोजन हुआ । एनएस टाटा क्यूकोसिन कैरेट ऑर्गेनाइजेशन ऑल इंडिया के अध्यक्ष निर्मल साहा (सेंसेई टू सीहान) को ओडिशा में सम्मानित किया गया। ऑल इंडिया काइकोसिन पहल ने 27 मई से 30 मई 2024 तक ओडिशा पुरी में चार दिवसीय कराटे समर कैंपस का आयोजन किया। इस कराटे शिविर में ओडिशा पुरी के चार दिवसीय शिविर के 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इन पांच वर्षों में कराटे समर कैंप में सेहान निर्मल साहा, उनके विभिन्न छात्र सेंसेई पद्मार्यदापूर्ण कराटे दीक्षित गुरु परिमल दे, बुद्धदेव बोस, देबाशीष मंडल, प्रदीप कर्मकार, शेख एस, के सैफुद्दीन, अंकिता साहा, सायन द्वीप साहा, उत्तम सरकार, अमित मैती, गोविंदा बोस सहित कई अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

डेमार्केट लाइट हाउस शोरूम में हुई चोरी मामले की जांच शुरू

एजेंसी

किशनगंज। शहर के डेमार्केट स्थित लाइट हाउस इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में चोरी की घटना मामले में सदर पुलिस के द्वारा जांच शुरू कर दी गई है। मामले में पुलिस बारीकी से पड़ताल कर रही है। जिसमें जांच के दौरान सबसे पहले शोरूम के पास लगा सीसीटीवी कैमरा व आसपास में लगा सीसीटीवी कैमरा खंगाला जा रहा है। सीसीटीवी में यह देखा जा रहा है की बदमाश का हुलिया व वेशभूषा कैसा था। किस प्रकार के कपड़े पहने हुए थे। इधर पुलिस चोरी के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए हर प्रकार से रणनीति बना रही है। जिसमें सुरक्षा कारणों से कुछ बिंदुओं को गुप्त रखा जा रहा है। इसके अलावे ऐसे बदमाश जिनके विरुद्ध पूर्व से चोरों के मामले दर्ज हैं। उनसे भी पूछताछ की जा सकती है। हाल के दिनों में बेल पर बाहर रहने वाले बदमाशों की गतिविधियों पर भी निगरानी रखी जाएगी। वही आसपास के दुकानदारों के मन मे ये सवाल भी उठ रहे हैं की आखिर इतनी बड़ी संख्या में बदमाशों के द्वारा चोरी के लिए आने की मंशा क्या थी। कही इससे भी ज्यादा सामानों की चोरी की मंशा होगी। लेकिन उजाला होने के कारण बदमाश बड़ी चोरी की घटना को अंजाम नहीं दे पाए होंगे। हालांकि पुलिस की जांच व कार्रवाई के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

हीट वेव से बचाव को लेकर बूथों पर मेडिकल टीम की व्यवस्था

एजेंसी

बिहारशरीफ। नालंदा में एक जून को लोकसभा चुनाव है। चुनाव आयोग के निदेर्शानुसार तैयारियां मुकम्मल है। हीट वेव से बचाव को लेकर बूथों पर मेडिकल टीम की व्यवस्था की गई है आदर्श चुनाव आचार संहिता के अधिसूचना के बाद से ही नालंदा पुलिस ने अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। भीषण गर्मी के बीच पुलिस का ऑपरेशन एरिया डोमिनेशन पूरे जिले में चल रहा है। एरिया डोमिनेशन में पुलिस को कई बड़ी सफलताएं हाथ लगी है। कैश के तौर पर 41 लाख 65 हजार रुपए की बरमदगी पुलिस ने की। जबकि 43.32 लाख की शराब को जप्त किया। इसी तरह 67.04 लाख के ड्रग्स को अपने कब्जे में किया। एरिया डोमिनेशन में 2.21 लाख के सोना-चांदी पकड़ में आया। नालंदा एसपी अशोक मिश्रा ने बताया कि अभी तक 104 हथियार व 571 कारतूस बरामद किये गये हैं। लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस का हर एक विंग काम में जुटा है। इधर पिछले एक सप्ताह से कड़ी धूप के कारण जिले के विभिन्न मार्गों का दृश्य सुनसान जैसा दिखता है । बावजूद इसके बेहतर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नालंदा पुलिस अपने कर्तव्यों के निवारण में पीछे नहीं है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पूरे जिले में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है ।

वरिष्ठ आयकर अधिकारी साहित्यिक, सामाजिक कार्यकर्ता सुशांत पांडा को प्रोफेशनल एसोसिएशन ने किया सम्मानित

संवाददाता

कोलकाता। बाग्मी आयकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, मल्लिका साहित्य पत्रिका के संपादक और ओडिशा शिक्षा, साहित्य और संस्कृति के प्रवर्तक सुशांत कुमार पांडा 31 तारीख यानी आज सेवा से अबसर लिए, जो 33 वर्षों से ओड़िआ साहित्य, संस्कृति और शिक्षा से जुड़े हुए हैं। उनकी सेवानिवृत्ति की पूर्व संध्या पर यानि गुरुवार की शाम कोलकाता में ओड़िआ की अग्रणी संस्था ओडिशा प्रोफेशनल एसोसिएशन द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। एसोसिएशन के संपादक संवित जेना के नेतृत्व में आयोजित सम्मान समारोह में जेना ने कहा कि पंडाबाबू एक मौन साधक थे। और ओड़िआ शिक्षा के विकास के लिए एक विनम्र और गहन सामाजिक कार्यकर्त्ता ब्यक्ति थे ।

पांडा की यात्रा ओडिशा के जाजपुर जिले के मलिका पुर नामक एक साधारण गांव से शुरू हुई, जहां उनका जन्म 1964 में हुआ था। इन जड़ों से वे असाधारण चरित्र के व्यक्ति बन गए। 1989 में आयकर विभाग में शामिल होने के बाद, उन्होंने तीन दशकों से अधिक समय तक ईमानदारी से काम किया है। फिर भी, यह कार्यालय की दीवारों से परे उनका काम है जो वास्तव में उन्हें अलग बनाता है। विनम्रता और गहरी सामाजिक प्रतिबद्धता वाले व्यक्ति, पांडा की सामाजिक सेवाओं में भागीदारी 1987 में शुरू हुई। उन्होंने कई संगठनों में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं, संपादक, ट्रस्टी, मानद सदस्य और पदाधिकारी के रूप में सेवा की है। सकारात्मक कार्रवाई और सामुदायिक सेवा की शक्ति में उनका विश्वास अटूट रहा है। पांडा एक प्रतिष्ठित साहित्यिक ओड़िआ पत्रिका मालिका के संपादक हैं। पिछले 33 वर्षों से, उन्होंने अपने गांव में अंतर-विद्यालय एथलेटिक्स और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया है, जिससे युवाओं में खेल भावना और सांस्कृतिक गौरव की भावना को बढ़ावा मिला है। उन्होंने बाली उत्कल विद्यापीठ में अध्यापन के लिए भी दस वर्ष समर्पित किए हैं।

बिजली गिरने से बांकुड़ा के एक दंपती की मौत

कोलकाता। जिले में रात भर बारिश होती रही है। शुक्रवार की सुबह भी यही स्थिति थी। भारी बारिश से बंगाल में बाढ़ की स्थिति। बारिश के बीच सब्जी तोड़ रहे एक दंपत्ति पर आकाशीय बिजली गिरी। घटना स्थल बांकुड़ा का बरजोरा घुटघुरिया है। परिजन रो-रोकर बेहाल हो गए। पता चला है कि मृत दम्पति का नाम निरोद संतारा और रानी संतारा है। वे बांकुड़ा के घुटघुरिया ग्राम पंचायत के नया गांव के रहने वाले हैं। बंगाल के अन्य जिलों की तरह बांकुरा में भी गुरुवार रात से बारिश हो रही है। शुक्रवार की सुबह झमाझम बारिश हो रही थी। इसी बीच सुबह में भिंडी तोड़ने केलिए घर से निकल कर जमीन पर चले गए। सोचे थे कि भिंडी लेकर वापस आएगी। लेकिन वापस नहीं आ पाए। उसी समय आकाशीय बिजली गिरने से दंपत्ति की मौत हो गई। बारिश रुकने के बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाया और अस्पताल पहुंचाया।

निबंधन से लेकर जांच और इलाज संबंधी जानकारी भव्या एप पर दर्ज कराने का निर्देश

एजेंसी

अररिया । स्वास्थ्य विभाग द्वारा मरीजों की उपलब्ध करायी जाने वाली तमाम सेवाएं ऑनलाइन दर्ज किया जा रहा है। इसे लेकर मुख्यमंत्री डिजिटल हेल्थ योजना के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा भव्या एचआईएमएस सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है। इसमें मरीजों के निबंधन से लेकर जांच, इलाज संबंधी तमाम जानकारी डिजिटली दर्ज किया जा रहा है। इसी क्रम में सदर अस्पताल में इलाज के लिये हर दिन आने वाले मरीजों का निबंधन से लेकर उपलब्ध करायी जाने वाली तमाम चिकित्सकीय सुविधाओं का भव्या एप पर डिजिटली दर्ज कराने के विशेष समीक्षात्मक बैठक आयोजित शुक्रवार को सिविल सर्जन डॉ विधानचंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। इसमें सदर अस्पताल के विभिन्न वार्डों के नोडल व प्रभारी पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में भव्या एप के सफल क्रियान्वयन सहित अस्पताल में उपलब्ध प्रसव सेवा, एसएनसीयू, पीकू वार्ड सहित अन्य सुविधाओं के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर जरूरी निर्देश दिये गये।

समस्या | **सिलीगुड़ी में पानी के लिए हाहाकार**

नगर पालिका मांग पूरी करने में नाकाम,मेयर ने संकट स्वीकार किया

संवाददाता

कोलकाता। नगर पालिका द्वारा सप्लाई किया जाने वाला पानी फिलहाल पीने योग्य नहीं है। इसलिए, सिलीगुड़ी नगर निगम ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगले 2 तारीख तक पानी पीने लायक नहीं होगा। जिससे शहर में पेयजल संकट देखने को मिला है। मेयर गौतम देव ने भी माना है कि पानी की कमी है। लेकिन अचानक ऐसी स्थिति क्यों?

तीस्ता उत्तर बंगाल की प्रमुख नदियों में से एक है। उस नदी के जल को शुद्ध कर नगरवासियों को दिया जाने लगा। हालांकि, तीस्ता बांध पर चल रहे काम के कारण पानी की निकासी रोक दी गई थी। इसके बजाय, नगर पालिका ने महानंदा से पानी लेना जारी रखा। लेकिन उस पानी में बीओडी का स्तर

- **सोमा भट्टाचार्य ने कहा, जल संकट बहुत गहरा है। पानी हमेशा उपलब्ध नहीं रहता।**

अधिक होने के कारण नगर पालिका ने नागरिकों को उसे पीने से प्रतिबंधित कर दिया है। वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर नगर पालिका ने पानी की टंकियां और पानी के पाउच की व्यवस्था की है। मेयर का कहना है, "यह सच है कि जल संकट है। हम उस समस्या से निपटने के लिए पानी की टंकियों की संख्या भी बढ़ा रहे हैं।" हालांकि, निवासियों की शिकायत है कि आपूर्ति आवश्यकता से बहुत कम है। शहरवासियों की भी शिकायत है कि हर जगह पानी की टंकियां नहीं जा रही हैं। वार्ड नंबर 32 के निवासी देबाशीष सरकार ने कहा, मुझे खाली ड्रम लेकर घूमना पड़ता है। हमारे क्षेत्र में पानी की टंकियां नहीं आ रही हैं। दूर से पानी नहीं लाया जा सकता। मैं बहुत परेशानी में हूं। एक अन्य पीड़िता सोमा भट्टाचार्य ने कहा, जल संकट बहुत गहरा है। पानी हमेशा उपलब्ध नहीं रहता। अगर आप पानी लेने भी जाते हैं तो आपको खाली हाथ लौटना पड़ता है।

पानी की समस्या को लेकर गुरुवार को मेयर को वामपंथी विरोध का सामना करना पड़ा। गौतम देव आज संकट की स्थिति की जांच करने के लिए शहर की सड़कों पर उतरे। उन्होंने वहां संवाददाताओं से कहा, "वहां जल संकट है।" किसी भी नगर पालिका के लिए नदी से आपूर्ति की जाने वाली पानी की मात्रा की आपूर्ति करना संभव नहीं है। हमारे पास 26 पानी के टैंकर थे। वह संख्या और बढ़ेगी। गुरुवार को करीब एक लाख पानी के पाउच दिये गये। हम सब मिलकर काम कर रहे हैं।

वेब कास्टिंग बंद हुई तो नहीं होगा वोट, आखिरी राउंड से पहले आयोग का सख्त फैसला

संवाददाता

कोलकाता। वेबकास्टिंग कैमरा बंद होने पर सातवें राउंड में बूथ पर वोटिंग नहीं होगी। चुनाव आयोग ने दी जानकारी। सातवें और अंतिम दौर का चुनाव शनिवार को है। देश की 57 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। बंगाल में नौ सीटें हैं। विपक्ष के नेता सुभेंदु अधिकारी और शिशिर बाजोरिया गुरुवार रात केंद्रीय चुनाव आयोग के दफ्तर गए। उन्होंने शिकायत की कि छठे चरण के मतदान में केशपुर समेत कई बूथों पर वेब कास्टिंग बंद कर वोटिंग चली। बीजेपी का दावा है कि अगर सातवें चरण में वेब कास्टिंग बंद कर दी जाए तो उस बूथ पर वोटिंग

बंद कर दी जाए। इसके बाद आयोग ने कड़ा फैसला लिए है। सूत्रों के अनुसार शनिवार को बूथ में वेब कास्टिंग कैमरा बंद होने से मतदान भी बंद हो जायेगा। पीठासीन अधिकारी को यह सुनिश्चित करना होगा कि मतदान चरण के दौरान कैमरा चालू रहे। यदि किसी कारण से वेब कास्टिंग रुकी हो तो संबंधित पीठासीन अधिकारी को उचित जवाब दिया जाए। जवाब संतोषजनक नहीं होने पर उन्हें तत्काल हटा दिया जायेगा। लापरवाही सामने आने पर पीठासीन अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू की जा सकती है। आयोग के मुताबिक 100 फीसदी बूथों पर वेब कास्टिंग होगी। हालाँकि, कुछ स्थानों पर वेबकास्टिंग संभव नहीं है। क्योंकि उन सभी जगहों पर मोबाइल नेटवर्क नहीं है या बहुत कमजोर है।

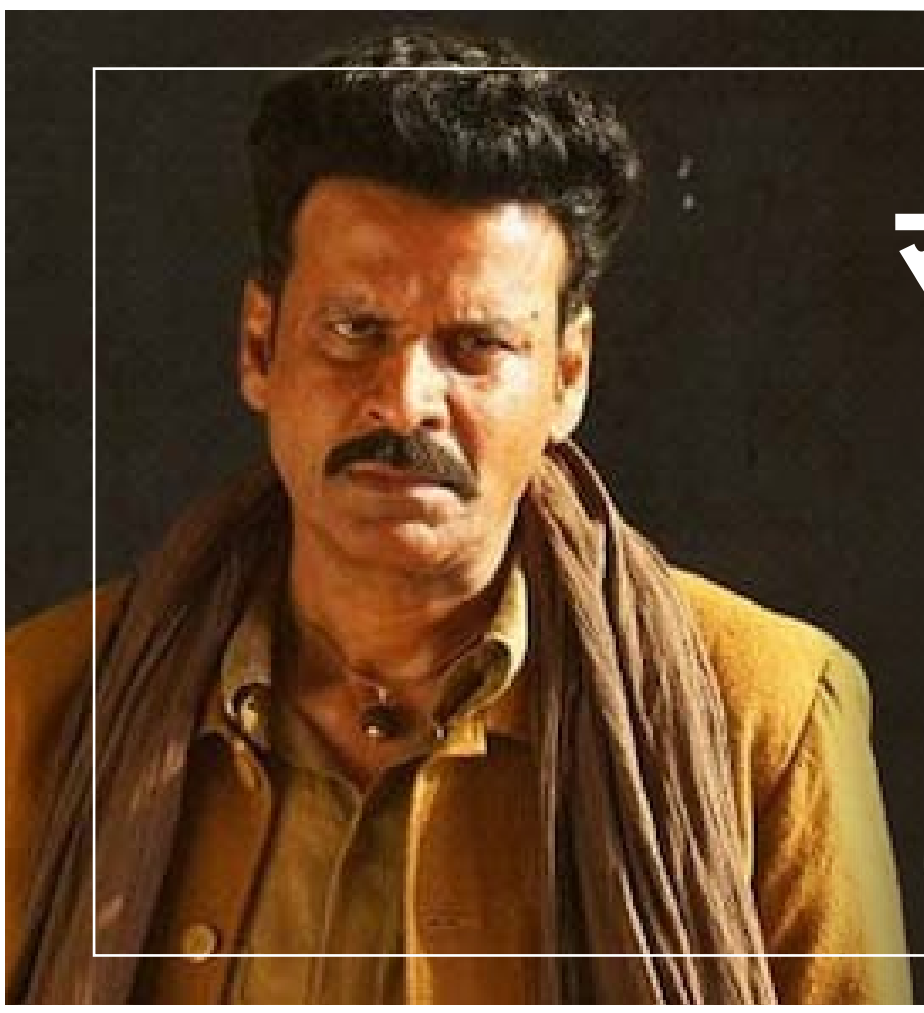

समाज न्यूक्लियर फैमली ट्रेंड को अपना रहा है : मनोज वाजपेयी

मुंबई।

मनोज बाजपेयी इस समय ढेरों इंटरव्यू दे रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि उनका इस दावे के बारे में क्या कहना है कि बॉलीवुड ड्रग एडिक्ट्स से भरा हुआ है और रेव पार्टियों के लिए मशहूर है? इसपर उनका दिया हुआ जवाब बहुत जबरदस्त था। मनोज बाजपेयी ने फिल्म इंडस्ट्री में बढ़ते तलाक और बढ़ते नशे पर रिएक्ट किया है। उनका कहना है कि समाज से आने वाले लोग इंडस्ट्री का हिस्सा होते है। जब लोग एक ही समाज के होंगे तो जाहिर बात की है समाज में हो रहा बदलाव इंडस्ट्री में दिखाई देगा। मनोज बाजपेयी कहा ये बहुत छोटी इंडस्ट्री है। अब इंडस्ट्री में बहुत से लोगों को जॉब चाहिए होती है। अगर कोई व्यक्ति किसी कोने में कोई गलत काम करता हुआ पकड़ा जाता है तो इससे कुछ भी साबित नहीं होता है। इधर-उधर की कुछ घटनाएं यह साबित नहीं कर सकती कि पूरी इंडस्ट्री ऐसी ही है। बॉलीवुड में तलाक की संख्याओं के बढ़ने के बारे बात करते हुए मनोज बाजपेयी ने कहा, 'अगर आप आज की डेट में तीस हजारी कोर्ट के बाहर जाएं और डाइवोर्स रेट के बारे में पूछें तब आपको अंदाजा होगा कि हम कहां पहुंच गए हैं। हर रोज रिलेशनशिप और शादियां टूट रही हैं। हमारा समाज न्यूक्लियर फैमली ट्रेंड को अपना रहा है। इसके अपने फायदे हैं लेकिन एकल परिवार के चलन ने जो नुकसान पहुंचाया है, उसे आप आज अदालतों में देख सकते हैं।'

बीमारियों पर जान्हवी ने फैलाई जागरूकता

मुंबई/एजेंसी

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर इन दिनों अपनी फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। ये फिल्म आज 31 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इसी बीच जाह्नवी का एक स्टैंड अप कॉमेडी वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह मेकअप और नो मेकअप लुक की बजाय जीवन बदलने वाली जानकारी मांगती नजर आईं। बातचीत के दौरान जाह्नवी कपूर ने मजाकिया अंदाज में डेंटिंग पर बात की। साथ ही इंटमेसी से एचपीवी के संभावित प्रसार के बारे में चेतावनी दी। एक्ट्रेस ने कहा, 'हे भगवान, कृपया मुझे यह बताना बंद करें कि मुझे कौन सा नो मेकअप और मेकअप लुक आजमाना चाहिए और मुझे कुछ जानकारी दें, जो शायद मेरी जान बचा सकती है, है ना? मुझे रेड फ्लैग के बारे में न बताएं।'

एक्ट्रेस ने कहा, 'डेट तो अच्छी चली जाएगी, लेकिन आपको किस बात से सावधान रहने की जरूरत है? डेट अच्छी हो गई तो हम क्या करेंगे? एचपीवी एक वायरस है, जो फैलता है। त्वचा से त्वचा के संपर्क से यानी इंटमेसी से। हाथ मिलाने से नहीं, गाल खींचने से नहीं। हमारा मतलब वास्तव में इंटमेसी, त्वचा से त्वचा के संपर्क से है।' जाह्नवी कपूर का ये वीडियो लोगों को पसंद नहीं आ रहा है और वह कह रहे हैं कि स्टैंड अप कॉमेडी मे मजेदार जैसा कुछ नहीं है। वहीं, जाह्नवी कपूर की 'मिस्टर एंड मिसेज माही' की बात करें तो यह फिल्म आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। शरण शर्मा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में एक्ट्रेस राजकुमार राव संग अहम भूमिका में नजर आएंगी।इसके बाद अब वह जल्द ही साउथ फिल्म 'देवरा' में

अजय-तबू की फिल्म 'औरों में कहां दम था' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेंसी

अजय देवगन और तबू की जोड़ी ने कई हिट फिल्मों में काम किया है. दोनों की जोड़ी ऑनस्क्रीन फैंस को बेहद पसंद आती है. वहीं अब अजय और तबू जल्द ही 'औरों में कहां था दम' में नजर आएंगे. इस रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म का फैंस को बेसब्री से इंतजार है. वहीं मेकर्स ने आज फैंस की एक्साइटमेंट को और ज्यादा बढ़ाते हुए इस फिल्म की पहली झलक शेयर कर दी है, साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी गई है.काफी इंतजार के बाद फाइनली आज अजय देवगन और तब्बू स्टारर अपकमिंग फिल्म 'औरों में कहां दम था' का टीजर रिलीज हो गया. यह फिल्म काफी समय से चर्चा में थी और लगातार पोस्टपोन हो रही थी. टीजर के साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का भी खुलासा कर दिया है. बता दें कि रोमांटिक ड्रामा 5 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. ये फिल्म 2002 और 2023 के बीच सेट 20 साल के एपिक रोमांटिक ड्रामा के साथ एक यूनिक म्यूजिकल लव स्टोरी बताई जा रही हैं. वहीं अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल फिल्म का टीजर शेयर किया है. वीडियो की शुरुआत अजय देवगन और तबू के होली के त्योहार के दौरान एक-दूसरे को गले लगाने से होती है. वीडियो के बैकग्राउं से अजय देवगन की आवाज आती है और वे कहते हैं जब दिल से धुआं उठा तो बरसात का मौसम था, सौ दर्द दिए उसने जो दर्द का मरहम था. हमने ही सितम ढाए, हमने ही कहर तोड़े, दुश्मन थे हम ही अपने औरों में कहां दम था.... टीजर देखक लग रहा है कि ये एक दिल छू लेने वाला रोमांटिक ड्रामा होने वाली है. वहीं अपनी फिल्म की पहली झलक को शेयर करते हुए अजय देवगन ने पोस्ट में लिखा है, 'दुश्मन थे हम ही अपने...' औरों में कहां दम था का टीज़र अभी जारी, सिनेमाघरों में 5 जुलाई, 2024.

अदिति राव हैदरी की तब और अब की फोटो ने मचाया इंटरनेट पर तहलका

नयी दिल्ली/एजेंसी

अदिति राव हैदरी इन दिनों हीरामंडी में बिब्बोजान के किरदार के लिए चर्चा में हैं. उनके रोल को जितना प्यार मिल रहा है उतना ही गजगामिनी वॉक की चर्चा सोशल मीडिया पर सुनने को मिल रही है. इसी बीच एक्ट्रेस की कुछ तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं, जिसमें अदिति राव हैदरी का तब और अब का ट्रांसफॉर्मेशन देखने को मिलेगा. वहीं फैंस उनकी यह तस्वीरें देख फैंस भी प्यार लुटा रहे हैं. वहीं कुछ लोग कह रहे हैं कि उन्होंने ऐसा क्या खाया है.

एक्स यूजर ने अदिति राव की दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें से एक लेटेस्ट है तो एक पुरानी फोटो है. इन तस्वीरों को शेयर करते हुए यूजर ने लिखा, उन्होंने क्या खाया है. दूसरे यूजर ने लिखा, आप बदसूरत नहीं हैं सिर्फ गरीब हैं. एक्स यूजर ने अदिति राव की दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें से एक लेटेस्ट है तो एक पुरानी फोटो है. इन तस्वीरों को शेयर करते हुए यूजर ने लिखा, उन्होंने क्या खाया है. दूसरे यूजर ने लिखा, आप बदसूरत नहीं हैं सिर्फ गरीब हैं. गौरतलब है कि अदिति राव हैदरी ने हाल ही में एक ब्यूटी ब्रांड के लिए कान फिल्म फेस्टिवल 2024 का हिस्सा बनते हुए नजर आई थीं. वहीं उनके खूबसूरत लुक ने फैंस का दिल जीत लिया था. बता दें, हाल ही में एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी ने 400 साल पुरानी फैमिली मंदिर में एक्टर सिद्धार्थ से सगाई की थी. दोनों महा समुद्रम के सेट पर मिली थी और प्यार हो गया था. वहीं खबरें आई थीं कि दोनों ने मंदिर में शादी कर ली है. लेकिन सगाई की जानकारी कपल ने इंस्टाग्राम के जरिए दी थी.

मलाइका अरोड़ा-अर्जुन कपूर का हुआ ब्रेकअप?

मुंबई।

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर कई सालों से एक लंबे और खूबसूरत रिश्ते में थे, जिसने सभी का सम्मान और प्यार जीता। वे इस बात की मिसाल बन गए कि कैसे प्यार सभी मुश्किलों के बावजूद खड़ा हो सकता है और लोगों का दिल जीत सकता है। हालांकि, अब खबर आ रही है कि दोनों ने सम्मानपूर्वक अपना रिश्ता खत्म कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस कपल ने अलग होने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स की मानें तो उनके रिश्ते ने अपनी राह तय कर ली है और वे इस स्थिति से बेहद सम्मानजनक तरीके से निपटेंगे। मलाइका और अर्जुन का रिश्ता बहुत खास था और दोनों एक-दूसरे के दिलों में हमेशा खास जगह बनाए रखेंगे। उन्होंने अलग होने का फैसला किया है और इस मामले में चुप्पी बनाए रखेंगे। वे किसी को भी अपने रिश्ते का प्रचार करने का मौका नहीं देना चाहते हैं। खबरों की मानें तो मलाइका और अर्जुन के बीच किसी तरह की खटास नहीं है। वे एक-दूसरे का बहुत सम्मान करते हैं और एक-दूसरे के लिए मजबूत पिलर जैसे खड़े रहे हैं। अलग होने का फैसला करने के बावजूद वे एक-दूसरे को वैसा ही सम्मान देते रहेंगे। पिछले कुछ सालों में उन्होंने अपने रिश्ते को बहुत सम्मान दिया है। अलग होने का फैसला करने के बावजूद वे अपने मन में इस रिश्ते के लिए कोई गलत भावना नहीं लेकर आएंगे। वे दोनों सालों से एक गंभीर रिश्ते में थे और उन्हें उम्मीद है कि लोग इस भावनात्मक समय में उन्हें स्पेस देंगे। बता दें कि अर्जुन और मलाइका के रिश्ते की अफवाहें 2018 में तब शुरू हुईं, जब वे एक फैशन शो कार्यक्रम में साथ दिखे। मलाइका के 45वें जन्मदिन पर, उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते की पुष्टि की। इसे आधिकारिक बनाने के बाद, उन्होंने एक-दूसरे के परिवारों के साथ समय बिताना भी शुरू कर दिया। कॉफी विद करण में अर्जुन की उपस्थिति के दौरान भी, उन्होंने अपने प्रेम जीवन और अपने रिश्ते को अगले स्तर पर ले जाने की अपनी योजनाओं के बारे में बात की थी।

एक नजर

पुंछ में आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन

पुंछ। पुंछ जिले के मारहा बफ्लियाज क्षेत्र में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ के बाद आतंकवादियों को ट्रैक करने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया है। एक अधिकारी के अनुसार गुरुवार देर रात को क्षेत्र में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सुरक्षा बलों को विशिष्ट इनपुट मिला था। इसके बाद डीकेजी के पास मार्हा बफ्लियाज के सामान्य क्षेत्र में पुलिस और सेना ने एक तलाशी अभियान शुरू किया। सुरक्षा बल जब आतंकियों के ठिकाने के पास पहुंचे तो आतंकियों ने उन पर फायरिंग कर दी। इसके बाद आतंकवादी अंधेरे का लाभ उठाते हुए मौके से भाग गए। अब भागने वाले आतंकवादियों को ट्रैक करने के लिए एक बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

आंधी से गिरी दीवार, तीन की मौत

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर जिले के पुवायां क्षेत्र में तेज आंधी तूफान से निजी गौशाला की दीवार गिरने से उसके नीचे दबकर तीन लोगों की मौत हो गई। क्षेत्राधिकारी पुवायां पंकज पंत ने शुक्रवार को बताया कि पुवायां क्षेत्र के गांव सतना बुजुर्ग में बृहस्पतिवार शाम को आई तेज आंधी में खेतों में काम कर रहे लोग गौशाला के टिन सेड के नीचे खड़े हो गए। तेज गति से आई आंधी के कारण टिन सेड के साथ ही बाउंड्री की दीवार भी भरभरा कर गिर गई जिसके नीचे दबकर सूरज (9) की घटना स्थल पर मौत हो गई जबकि मनीष और इंद्रेश गंभीर रूप से घायल हो गए। पंत ने बताया कि घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भिजवाया जिसमें मनीष (15) और इंद्रेश (37) की इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह मौत हो गई। तीन लोगों की मौत के बाद पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया और परिजनो को दैवीय आपदा के तहत आर्थिक मदद दिए जाने की बात कही है।

रामगंगा में तीन लड़कियां डूबी, दो की मौत

बरेली। उत्तर प्रदेश में बरेली के फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह रामगंगा नदी में नहाने गई तीन लड़कियां डूब गयी जिनमें से दो की मौत हो गयी जबकि एक को बचा लिया गया। अपर जिलाधिकारी बरेली संतोष बहादुर सिंह ने बताया कि फतेहगंज पश्चिमी में रामगंगा नदी में डूबने से दो लड़कियों की मौत हो गई जबकि एक लड़की को स्थानीय लोगों के सहयोग से बचा लिया गया। उन्होंने बताया इन दिनों ग्राम गौतारा का टोला प्रेम गोटिया के पास रामगंगा नदी पर पुल का निर्माण हो रहा है । पुल निर्माण के लिए जेसीबी से नदी के अंदर से सिल्ट निकाली गई थी। बताया जाता है कि सिल्ट निकाले जाने से वहां पर गहरा गड्ढा हो गया है। जिसमें से दो लड़कियां गहरे पानी में डूब गई और उनकी मौत हो गई। साथ ही एक लड़की को बचा लिया गया। बाद में उसे चिकित्सा के लिए भेज दिया गया। श्री सिंह ने बताया कि अनिल गंगवार की पुत्री सलोनी (10) अपनी बुआ के पास ग्राम गौतरा आई थी जबकि दूसरी मृतक बच्ची कुसुम (15) अपनी मौसी के यहां आई थी। तीसरी बच्ची जो डूब रही थी जिसे ग्राम वासियों द्वारा बचा लिया गया। उसका नाम मंगल (17) है।

फ्लाइट के बाथरूम से 1.28 करोड़ का गोल्ड बरामद

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम की टीम ने एक करोड़ 28 लाख से ज्यादा का सोना बरामद किया है। इसे तस्करी करके बैंकॉक से भारत लाया गया था। कस्टम की टीम ने आईजीआई एयरपोर्ट पर इस गोरखधंधे का खुलासा किया। हालांकि इस मामले में किसी को भी अभी पकड़ा नहीं गया है। क्योंकि सोने को केमिकल पेस्ट में मिलाकर फ्लाइट के बाथरूम वाले हिस्से में छुपाकर लाया गया था। ऊपर से ब्लैक पेस्ट के रूप में नजर आ रहा था। कस्टम के ज्वाइंट कमिश्नर एन वरुण कौंडिया ने बताया कि दो ब्लैक कलर का पाउच मिला था। उसमें गोल्ड पेस्ट को केमिकल में छुपाकर स्मगलिंग करके लाया गया था। जांच में 2017 ग्राम कुल गोल्ड मिला। इसकी कीमत 1 करोड़ 28 लाख 96 हजार से ज्यादा बताई जा रही है। बरामद गोल्ड को जब्त कर लिया गया है और आगे इस मामले में छानबीन की जा रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही कि यह गोल्ड पेस्ट किस हवाई यात्री द्वारा ट्वायलेट वाले एरिया में छुपाकर लाया गया था।

बलिया के पचरूखिया के पास गंगा में नहाते समय पांच दोस्त डूबे, दो शव बरामद

बलिया। हल्दी थाना क्षेत्र पचरूखिया के पास हुकुमछपरा काली मंदिर के सामने शुक्रवार दोपहर में गंगा में नहाते समय पांच दोस्त डूब गये। आसपास के लोगों की मदद से दो किशोरों का शव बरामद कर लिया गया है। रेवती थाना क्षेत्र के पियरौटा निवासी पांच युवक गर्मी से निजात पाने के लिए गंगा में नहा रहे थे। इसी बीच गहरे पानी में सभी युवक अचानक डूबने लगे। इसकी सूचना मिलते ही इलाके में हड़कम्प मच गया। मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जुट गयी। काफी प्रयास के बाद दो लड़कों का शव को ग्रामीणों ने बरामद कर लिया, जिनकी पहचान रवि राम (14) पुत्र दिलीप राम व सनी राम (15) पुत्र वीरेन्द्र राम के रूप में हुई। वहीं, तीन अन्य युवक लापता बताए जा रहे हैं। इस संबंध में एडिशनल एसपी डीपी तिवारी ने बताया कि दो युवकों का शव मिला है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों के अनुसार तीन किशोर मौके से चले गए। उनके डूबने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

लोकसभा चुनाव 2024 : कप्तान योगी ने 61 दिन में लगाया दोहरा शतक

योगी ने दो महीनों में किये 204 चुनावी कार्यक्रम

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश में लोकसभा चुनाव प्रचार का शोर अब थम चुका है और शनिवार को सातवें और अंतिम चरण के मतदान के बाद नयी सरकार के बारे में अटकलों का दौर शुरू हो जायेगा।

लगभग दो महीने चले धुआंधार चुनाव प्रचार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्टार प्रचारक और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सबसे अधिक डिमांड रही और उन्होने भी बिना रुके थके एक एक दिन में कई चुनावी कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और विपक्ष की खामियां और भाजपा सरकार की खूबियां गिनाते हुये केंद्र में तीसरी बार मोदी सरकार बनाने की अपील की।

योगी आदित्यनाथ की सक्रियता का अंदाजा सहज लगाया जा सकता है जब उन्होने महज 61 दिन के भीतर 204 चुनावी कार्यक्रम किए। 27 मार्च को मथुरा से प्रबुद्ध सम्मेलन के जरिए भाजपा से मिले चुनावी दायित्व का आगाज करने वाले योगी आदित्यनाथ ने 169 जनसभा, 15 प्रबुद्ध सम्मेलन और 13 रोड शो कर राजग प्रत्याशियों के लिए पसीना बहाया। वह वाराणसी संसदीय सीट से सांसद व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा लखनऊ से सांसद-रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नामांकन में भी शामिल हुए। मतदाताओं ने मोदी के सारथी योगी आदित्यनाथ पर यकीन किया, जिसका परिणाम रहा कि हर रैली में लाखों की संख्या में पहुंचे मतदाताओं ने उन्हें सिर आंखों पर बैठाया। यही नहीं, योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के सभी 80 लोकसभा सीटों के साथ ही 12 राज्य व दो केंद्रशासित प्रदेशों में भी 'कमल के कमाल' की अपील की।

पीएम मोदी सहित 12 केंद्रीय मंत्रियों के लिए संभाला मोर्चा

इस अवधि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी समेत कुल 12 केंद्रीय मंत्रियों के लिए योगी आदित्यनाथ ने यूपी में मोर्चा संभाला। इसके अलावा भाजपा के कई राष्ट्रीय पदाधिकारियों के पक्ष में भी उनकी लोकसभा सीटों पर प्रचार करने पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नामांकन के साथ ही अधिवक्ता सम्मेलन, लोकसभा संचालन समिति की बैठक, नारी वंदन संवाद, जनसभा समेत कई कार्यक्रमों का सीएम योगी ने नेतृत्व किया तो वहीं रक्षा मंत्री के नामांकन से लेकर जनसभा तक की कमान भी संभाली।

योगी आदित्यनाथ ने 27 मार्च को ब्रज भूमि में हेमा मालिनी के पक्ष में प्रबुद्ध सम्मेलन कर चुनावी कार्यक्रम का आगाज किया। इसके बाद तापमान 47-48 भी पहुंचा तो भी योगी की इच्छाशक्ति को डिगा न सका। उत्तर प्रदेश से भाजपा, सुभासपा, रालोद व अपना दल एस के सभी प्रत्याशियों के लिए वोट मांगा। ढाई महीने के चुनावी कार्यक्रम में योगी आदित्यनाथ ने 61 दिन प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने कुल 204 चुनावी कार्यक्रम किए। इनमें से 169 जनसभा, 15 प्रबुद्ध सम्मेलन, 13 रोड शो के अलावा अधिवक्ता सम्मेलन, नारी सम्मेलन, कार्यकर्ता सम्मेलन, लोकसभा संचालन समिति की बैठक, नामांकन समेत कई कार्यक्रमों में शिरकत की।

दिल्ली में जल संकट : आरोप-प्रत्यारोप के बीच सरकार पहुंची अदालत

विपक्ष का धरना प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले एक सप्ताह से दिल्ली जल बोर्ड दिल्ली में नियमित और समुचित जलापूर्ति नहीं कर पा रहा है। जिसकी वजह से दिल्ली के लोगों की परेशानी बढ़ गई है। वहीं दिल्ली में पानी की कमी को लेकर दिल्ली सरकार ने हरियाणा को दोषी ठहराना शुरू कर दिया है।

दिल्ली सरकार यह कहते हुए कि दिल्ली में जलापूर्ति की जिम्मेवारी सभी की है और इसके साथ ही इन दोनों राज्यों से पानी लेने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की ओर रुख कर चुकी है। उधर, दिल्ली में पानी की कमी को लेकर विपक्ष सड़कों पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राष्ट्रीय राजधानी में जल संकट को लेकर शुक्रवार शहीदी पार्क से दिल्ली सचिवालय तक प्रदर्शन मार्च निकाला।

प्रदर्शन के दौरान नई दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार बांसुरी स्वराज ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार ने दिल्ली में कृत्रिम जल संकट पैदा कर दिया है। स्वराज ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड 2013 में 600 करोड़ रुपये के फायदे में था लेकिन वर्तमान में जल बोर्ड 73 हजार करोड़ रुपये के घाटे में हैं। उन्होंने दिल्ली में पानी की कमी और जल बोर्ड को होनेवाले घाटे के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जिम्मेवार ठहराया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि दिल्ली में जल संकट अरविंद केजरीवाल के कुप्रबंधन का नतीजा है। अब सरकार 2 हजार रुपये का जुमार्ना लगा रही है। सचदेवा ने कहा कि यह जुमार्ना नहीं बल्कि भ्रष्टाचार करने का एक और तरीका है। सचदेवा ने कहा कि पहले दिल्ली सरकार ने टैंकर माफिया को बढ़ावा दिया। इनके हर विधायक टैंकर माफियाओं के साथ मिलकर दिल्ली के लोगों को पानी बेच रहे हैं और उन्हें लूट रहें हैं।

दरअसल, दिल्ली में जल संकट के दो प्रमुख कारण हैं। पहला, प्रचंड गर्मी और दूसरा पानी के लिए पड़ोसी राज्यों पर निर्भरता। इन दिनों दिल्ली में भयानक गर्मी के चलते पानी की मांग बढ़ गई है। दिल्ली की आबादी की तुलना में पानी की सप्लाई पहले से कम है। इससे ज्यादा परेशानी महिलाओं को हो रही है। प्रदर्शन के दौरान काफी संख्या में महिलाएं हुई।

अमेठी में भीषण सड़क हादसा

एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत, एक जख्मी

एजेंसी

अमेठी। उत्तर प्रदेश में अमेठी के कमरौली क्षेत्र में शुक्रवार सुबह लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक बेकाबू ट्रेलर की चपेट में आने से कार सवार एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत हो गयी।

ट्रेलर की टक्कर से आधा दर्जन से अधिक गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई। घटना में एक कार पर ट्रेलर चढ़ गया जिसमे सवार तीन बच्चों की मौत हो गई और एक अन्य बच्चा घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ दर्जनो वाहन बंद रेलवे क्रासिंग के खुलने का इंतजार कर रहे थे कि एक तेज रफ्तार ट्रेलर से चालक ने नियंत्रण खो दिया और उसने दर्जनों वाहनो को चपेट में ले लिया।

उन्होने बताया कि लखनऊ वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर बेकाबू ट्रेलर कई गाड़ियों को रौदते हुए आगे बढ़ गया। ट्रेलर की चपेट में आने से कार सवार तीन बच्चों एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। घटना में कई लोगों की घायल होने की भी सूचना है। मृतकों की पहचान आफरीन (14), फातिमा (13) और फारिस (8) निवासी पारा बाजार जिला सुल्तानपुर के रूप में हुई। हादसे में अदनान (11) नामक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया।घायल का इलाज जगदीश पुर सीएचसी में चल रहा है।

सुकमा : गिरफ्तार हार्डकोर सहित तीन नक्सलियों को भेजा गया जेल

एजेंसी

सुकमा। सुकमा जिले केरलापाल थाना क्षेत्र में सक्रिय एक हार्डकोर सहित 03 नक्सलियों को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली है। गिरफ्तार नक्सलियों से बड़ी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ बरामद किया गया। सभी गिरफ्तार नक्सली सुकमा जिले चिंतलनार थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम सिमेल के निवासी है। नक्सलियों को गिरफ्तार करने में जिला बल, डीआरजी सुकमा एवं 206 कोबरा वाहिनी सूचना शाखा की विशेष भूमिका थी।तीनों नक्सलियों को गिरफ्तार कर 31 मई शुक्रवार को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया।

एसपी किरण चव्हाण ने शुक्रवार को बताया कि नक्सल उन्मूलन अभियान तहत में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर 30 मई को केरलापाल थाना से डीआरजी एवं जिला बल की संयुक्त पार्टी विशेष नक्सल अभियान के लिए ग्राम बगडेगुड़ा, सिमेल, परिया व आस-पास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे। अभियान के दौरान ग्राम बगडेगुड़ा-सिमेल जाने का पगडण्डी रास्ते के पास सादे वेश-भूषा धारण किये कुछ संदिग्ध व्यक्ति द्वारा पुलिस पार्टी को अपने और आते देख कर भागने लगे। जिन्हें घेराबंदी कर तीन संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया।

उन्होंने बताया कि पकड़े गये नक्सलियों के कब्जे से एक नग टिफिन बम वजनी लगभग 03 किग्रा., 04 डेटोनेटर, एक बैटरी, 10 मीटर लगभग इलेक्ट्रिक वायर, एक मीटर कोर्डेक्स वायर बरामद किया गया। बरामद सामग्री के संबंध में पूछताछ करने पर नक्सलियों द्वारा बड़े नक्सली कमांडरों के कहने पर पुलिस पार्टी को नुकसान पंहुचाने की नीयत से रखना बताया।

आतिशी ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत को लिखा पत्र

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार मंत्री आतिशी ने दिल्ली में जलापूर्ति के लिए केंद्रीय जल मंत्री से मदद की गुहार लगाई है। आतिशी ने शुक्रवार को केंद्रीय जल मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को अनुरोधपूर्वक लिखे पत्र में यह भी कहा है कि दिल्लीवालों को नियमित और समुचित जल की आपूर्ति करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। आतिशी ने दिल्ली में पानी की कमी का हवाला देते हुए पत्र में कहा है कि यमुना जल का स्तर काफी नीचे गिर गया है ऐसी स्थिति में दिल्ली में जलापूर्ति नहीं हो रही है। साथ ही अनुरोध किया है कि दिल्ली के लिए पानी की कुछ व्यवस्था की जाए। जो राज्य पानी छोड़ने में सक्षम हो उससे पानी उपलब्ध कराया जाए ताकि दिल्ली के लोगों को परेशानी न हो।

पीएम मोदी का 45 घंटे का ध्यान शुरू

एजेंसी

- कन्याकुमारी के विवेकानंद शिला स्मारक पर 1 जून तक प्रधानमंत्री रहेंगे ध्यानमग्न

नई दिल्ली। कन्याकुमारी के विवेकानंद शिला स्मारक के ध्यान मंडपम में प्रधानमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेन्द्र मोदी का 45 घंटे का ध्यान शुरू हो चुका है। वे यहां 01 जून तक ध्यानमग्न रहेंगे। इसी एतिहासिक स्थान पर स्वामी विवेकानंद ने 1892 में ध्यान किया था। लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण का प्रचार खत्म होने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 मई की शाम कन्याकुमारी पहुंचे। उन्होंने यहां सबसे पहले भगवति अम्मन देवी मंदिर जाकर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने सफेद मुंडु (दक्षिण भारत में लुंगी की तरह पहना जाने वाला परिधान) पहना था। भगवती अम्मन मंदिर में पूजा के बाद मोदी शाम 6 बजकर 45 मिनट पर ध्यान में बैठे। वे अगले 45 घंटे तक ध्यानमग्न रहेंगे। इन 45 घंटों में वे केवल नारियल पानी जैसे तरल पदार्थ लेंगे।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए कन्याकुमारी में बहुस्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया गया है। इसमें 2 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। इसके अलावा सिक्योरिटी के लिए तमिलनाडु पुलिस का कोस्टल सिक्योरिटी ग्रुप, कोस्ट गार्ड और नेवी भी तैनात है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कन्याकुमारी में जिस स्थान पर 45 घंटे का ध्यान शुरू किया है, उसी स्थान पर स्वामी विवेकानंद ने 24, 25 और 26 दिसंबर 1892 को ध्यान किया था। 1963 में स्वामी विवेकानंद की जन्म शताब्दी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यकर्ता एकनाथ रानाडे की अगुवाई में विवेकानंद रॉक मेमोरियल कमेटी ने यह मेमोरियल बनवाया गया था।

चारधाम यात्रा | केदारनाथ में सबसे अधिक 34 यात्रियों ने तोड़ा दम

चारधाम यात्रा में अब तक 71 तीर्थयात्रियों की मौत

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड चारधाम यात्रा शुरू होने के 22 दिन में 71 तीर्थयात्रियों ने दम तोड़ दिया है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो तीन तीर्थयात्रियों की मौत हुई है। सबसे ज्यादा 34 तीर्थयात्रियों की मौत केदारनाथ में हुई है। अधिकतर तीर्थयात्रियों की मौत हार्टअटैक और पल्मोनरी एडिमा (फेफड़ों की वायु कोशिकाओं में तरल पदार्थ की मात्रा अधिक होने) के कारण हुई है।

चारधाम बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री उच्च हिमालयी क्षेत्रों में स्थित हैं, जहां पर ठंड के साथ ऑक्सीजन की कमी से सांस से संबंधित दिक्कतें आती हैं। 10 मई से शुरू हुई चारधाम यात्रा में 22 दिनों में हृदय गति रुकने, पल्मोनरी एडिमा, हाईपोथर्मिया (शरीर का तापमान कम होने पर हृदय गति रुक जाती है) और सिर पर गंभीर चोट से अब तक 71 तीर्थयात्रियों की मौत हो चुकी है। इसमें से केदारनाथ में 34 यात्री, बदरीनाथ में 16 यात्री, यमुनोत्री में 15 यात्री, गंगोत्री में 06 यात्री की मौत हुई है। इस प्रकार कुल मृत यात्रियों की संख्या 71 बतायी गयी है।

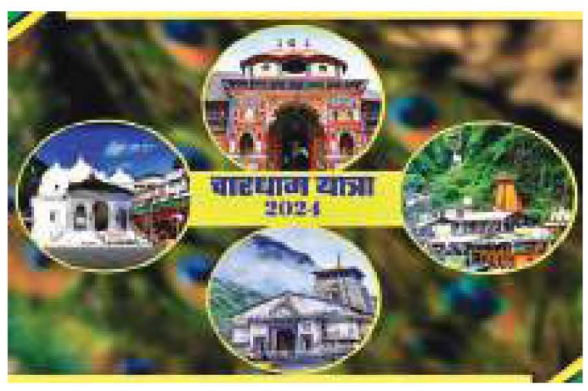

अधिकतर हृदय गति रुकने से हुई हैं मौत

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र देहरादून की ओर से शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार अब तक 14.03519 लाख तीर्थयात्री चारधाम यात्रा पर आ चुके हैं। इसमें से 71 तीर्थयात्रियों की मौत विभिन्न कारणों से हो चुकी है। ज्यादातर की मौत हृदय गति रुकने से हुई है। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश ने बताया कि यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की नियमित स्क्रीनिंग की जा रही है। स्वास्थ्य जांच में जिन श्रद्धालुओं का स्वास्थ्य ठीक नहीं है उन्हें डॉक्टर यात्रा न करने की सलाह दे रहे हैं।

तीर्थयात्रियों को स्वास्थ्य विभाग की सलाह

- केदारनाथ और यमुनोत्री धाम में पैदल चढ़ते समय प्रत्येक एक से दो घंटे के बाद पांच से 10 मिनट तक विश्राम करें।
- यात्रा के लिए गर्म कपड़े, बारिश से बचाव के लिए रेनकोट, छाता, स्वास्थ्य जांच के लिए पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर साथ रखें।
- हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, मधुमेह से ग्रसित यात्री जरूरी दवा और डॉक्टर का नंबर पास रखें।
- यात्रा के दौरान सीने में दर्द, सांस की तकलीफ, चक्कर अथवा उल्टी आने पर नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या मेडिकल रिलीफ में प्राथमिक उपचार लें।

संविधान व आरक्षण को लेकर भ्रम फैला रहा विपक्ष : आलोक कुमार

एजेंसी

हरिद्वार। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि लोकसभा चुनाव में संविधान बदलने का जो मुद्दा विपक्ष द्वारा उठाया जा रहा है, वह पूरी तरह झूठ है। संविधान बदलने जैसी कोई बात नहीं है। इससे बड़ा कोई झूठ नहीं है।

गुरुकुल महाविद्यालय में आयोजित बजरंग दल के प्रशिक्षण वर्ग के समापन के दौरान शुक्रवार को पत्रकार वार्ता करते हुए आलोक कुमार ने कहा कि संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने जैसे मुद्दे उठाकर विपक्ष भ्रम फैला रहा है और समाज को बांटने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि विहिप का स्पष्ट मत है कि आरक्षण तब तक चलना चाहिए, जब तक समाज में समानता नहीं आ जाती। जब अनुसूचित समाज स्वयं कहे कि समाज में व्याप्त असमानता समाप्त हो चुकी है, तो इस पर विचार किया जाना चाहिए।

अयोध्या में राम मंदिर के संबंध में उन्होंने कहा कि मंदिर की पहली मंजिल पर महर्षि वाल्मीकि, माता शबरी, जटायु, वशिष्ठ और विश्वामित्र की मूर्ती स्थापना करने का काम चल रहा है, जो कि इस वर्ष के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। काशी, मथुरा के सवाल पर उन्होंने कहा कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है। हमारे तथ्य और तर्क मजबूत हैं। फैसला हिंदू समाज के पक्ष में आने की पूरी उम्मीद है। हाल ही में आयी हिंदू-मुस्लिम आबादी रिपोर्ट पर उन्होंने कहा कि जनसांख्यिकी संतुलन बनाए जाने की आवश्यकता है। विश्व हिन्दू परिषद प्रचार प्रसार विभाग के प्रांत प्रमुख पंकज चौहान ने बताया कि 24 मई से शुरू हुए बजरंग दल के प्रशिक्षण वर्ग में 23 सांगठनिक जिलों के 122 प्रशिक्षणार्थियों को संगठन की रीति नीतियों का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर महामण्डलेश्वर स्वामी रूपेंद्र प्रकाश, स्वामी आर्षदेव, योगी सोमनाथ, विहिप प्रांत मंत्री धीरेंद्र शर्मा, प्रांत संगठन मंत्री अजय कुमार, बजरंग दल प्रांत संयोजक अनुज वालिया, विहिप प्रांत प्रचार प्रसार प्रमुख पंकज चौहान समेत अन्य मौजूद थे।

एक नजर

निशांत देव ने पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया

बैंकॉक। भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने शुक्रवार को बैंकॉक में चल रहे बॉक्सिंग वर्ल्ड क्वालीफायर के पुरुषों के 71 किग्रा वर्ग क्वार्टर फाइनल में 5-0 की जीत के साथ पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा हासिल किया। निशांत ने शुक्रवार को विश्व मुक्केबाजी क्वालीफायर में मोल्दोवा के सेबोटारी को सर्वसम्मति से 5-0 से हराकर 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई किया। वह वर्तमान में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में जगह बनाने वाले एकमात्र भारतीय पुरुष मुक्केबाज हैं। हालांकि पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले चौथे भारतीय मुक्केबाज हैं, उनसे पहले निखत जरीन (महिला 50 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा) और टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) ने 2022 एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतकर अपना स्थान पक्का किया था। पूरे टूर्नामेंट में दबदबा बनाए रखने वाले देव ने शानदार शुरूआत की और तीखे और सटीक मुक्के लगाए। भारतीय मुक्केबाज ज्यादा संयमित थे और उन्होंने अपने मुक्कों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल किया। दूसरे राउंड में, सेबोटारी ने कुछ मुक्के मारे और देव की सांस फूलती दिखी, लेकिन भारतीय मुक्केबाज ने सटीक शॉट मारना जारी रखा। आखिरी तीन मिनट में, दोनों मुक्केबाज थके हुए लग रहे थे, लेकिन देव ने अपनी इच्छानुसार मुक्के मारना जारी रखा और अंत में जीत दर्ज की।

नामीबिया ने फीफा विश्व कप क्वालीफायर और रीजनल कप के लिए 30 सदस्यीय टीम घोषित की

विंडहोक। नामीबिया फुटबॉल एसोसिएशन (एनएफए) ने गुरुवार को जून में होने वाले आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए 30 सदस्यीय टीम की घोषणा की। चयनित 30 खिलाड़ियों को 52 खिलाड़ियों वाली प्रारंभिक अनंतिम टीम से चुना गया है, जो 14 मई से प्रशिक्षण शिविर में थी और 5 और 11 जून को दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में लाइबेरिया और ट्यूनीशिया के खिलाफ होने वाले फीफा विश्व कप क्वालीफायर मुकाबलों की तैयारी कर रही थी। अंतिम 30 सदस्यीय टीम जून के मध्य में शुरू होने वाले 2024 काउंसिल ऑफ साउथर्न अफ्रीका फुटबॉल एसोसिएशन कप में भी नामीबिया का प्रतिनिधित्व करेगी। स्थानीय और विदेशी खिलाड़ियों वाली इस टीम में तीन गोलकीपर, नौ डिफेंडर, 13 मिडफील्डर और पांच फॉरवर्ड शामिल हैं। क्वालीफायर के लिए नामीबिया को ग्रुप एच में ट्यूनीशिया, इक्वेटोरियल गिनी, मलावी, लाइबेरिया और साओ टोम और प्रिंसिपे के साथ रखा गया है।

इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग : सुब्रमणि एम ने कर्नाटक की उम्मीदें बरकरार रखीं

मंगलुरु। मैंगलोर के शांत ससिहिथलू समुद्र तट पर इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग के बहुप्रतीक्षित पांचवें संस्करण के उद्घाटन दिवस पर पहले दिन तमिलनाडु के सर्फरों का दबदबा रहा, उन्होंने अन्य राज्यों के सर्फरों को पीछे छोड़ते हुए पुरुष ओपन वर्ग में सोलह क्वार्टर फाइनल में से पंद्रह स्थान हासिल किए। शीर्ष स्कोर शीर्ष वरीयता प्राप्त सर्फरों से आए, जिसमें मौजूदा चौथी रैंकिंग वाले शिवराज बाबू (15.50) दिन के सर्वोच्च स्कोरर के रूप में उभरे, उसके बाद अजीश अली (15.33) और श्रीकांत डी (13.50) रहे। पहले दिन के राउंड्स में तमिलनाडु के सर्फरों ने पुरुष ओपन वर्ग में कमान संभाली। सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के लिए कुल 14 सर्फर शनिवार सुबह होने वाले क्वार्टर फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस श्रेणी में क्वार्टर फाइनलिस्ट हैं शिवराज बाबू, अजीश अली, श्रीकांत डी, हरीश एम, तैयिन अरुण, मणिवन्नन टी, संजय सेल्वामणि, सूर्या पी, संजयकुमार एस, मणिकंदन एम, रुबन वी, सुब्रमणि एम, अकिलन एस और मणिकंदन आई। पुरुषों की ओपन श्रेणी में जजों से आज उच्चतम स्कोर 15.50 प्राप्त करने वाले शिवराज बाबू ने कहा, आज परिस्थितियां थोड़ी मुश्किल थीं, लेकिन मुझे उनमें सर्फिंग करना अच्छा लगा क्योंकि मुझे अपनी हीट में 8 लहरें मिलीं और मैंने उन सभी का आनंद लिया। मुझे नॉकआउट के लिए कोई दबाव महसूस नहीं हो रहा है; मैं पूरी तरह से अपने कौशल पर ध्यान केंद्रित करूंगा। मैं बस उससी अन्दाज में सर्फिंग करते रहना चाहता हूं जैसा कि मैंने आज किया, जितनी हो सके उतनी लहरें पकड़ना चाहता हूं, सुरक्षित रहना चाहता हूं, और कल और परसों मजे करना चाहता हूं।

बर्नाडिन बेजुइडेनहाउट ने लिया संन्यास

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड की विकेटकीपर बर्नाडिन बेजुइडेनहाउट ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। हालांकि, 30 वर्षीय खिलाड़ी नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के लिए घरेलू क्रिकेट में भाग लेना जारी रखेंगी। 30 वर्षीय बेजुइडेनहाउट ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 4 वनडे और 7 टी20 मैच खेले, उसके बाद वह न्यूजीलैंड चली गईं। बेजुइडेनहाउट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूजीलैंड के लिए 16 वनडे और 22 टी20 मैच खेले हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने हाल ही में संपन्न टी20 विश्व कप में हिस्सा लिया था, जहां कीवी टीम नॉकआउट चरण में जगह बनाने में विफल रही थी। रेड-एस (खेल में सापेक्ष ऊर्जा की कमी) से पीड़ित होने के बाद वह लगभग दो साल तक क्रिकेट नहीं खेल पाई। बेजुइडेनहाउट ने 2023 में टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के लिए वापसी की। बेजुइडेनहाउट ने एक बयान में कहा,मैं इस निर्णय से संतुष्ट हूं, लेकिन यह निर्णय लेना आसान नहीं था।

बीसीसीआई की महिला चयन समिति ने की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए भारतीय टीम की घोषणा

जेमिमाह रोड्रिग्स, पूजा वस्त्राकर टीम में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने गुरुवार रात दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी बहु-प्रारूप घरेलू श्रृंखला के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। बल्लेबाज जेमिमाह रोड्रिग्स और ऑलराउंडर पूजा वस्त्राकर को टेस्ट और सीमित ओवरों की टीम में शामिल किया गया है, लेकिन उनका चयन फिटनेस पर निर्भर है।

रोड्रिग्स अप्रैल-मई में बांग्लादेश में पांच मैचों की टी20 सीरीज में पीठ की चोट के कारण नहीं खेल पाई थीं और बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब से गुजर रही थीं। हालांकि, वस्त्राकर ने बांग्लादेश में सभी पांच मैच खेले थे और बीसीसीआई के मीडिया बयान में उनकी चोट की प्रकृति के बारे में नहीं बताया गया।

अनकैप्ड विकेटकीपर-बल्लेबाज उमा छेत्री को भी तीनों टीमों में शामिल किया गया है। उन्होंने यास्तिका भाटिया की जगह ली जो बांग्लादेश में सिर्फ. एक टी20 मैच खेलने के बाद चोटिल हो गई थीं। छेत्री 2023 में हांग्जो में श्रीलंका को हराकर स्वर्ण जीतने वाली भारत की एशियाई खेलों की टीम का भी हिस्सा थीं। शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रिया पुनिया, जिन्होंने भारत के लिए आखिरी बार जुलाई 2023 में खेला था, को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। मध्यम गति की गेंदबाज अरुंधति रेड्डी, जिन्होंने अब तक

26 टी20 मैच खेले हैं, को भी टेस्ट और वनडे टीम में शामिल किया गया है।

एक दिवसीय अभ्यास मैच बेंगलुरु में खेला जाएगा जबकि बाकी मैच चेन्नई में होंगे

हालांकि, तेज गेंदबाज तीतस साधु, जो बांग्लादेश के खिलाफ टी20 मैचों के साथ-साथ भारत के आखिरी वनडे और टेस्ट असाइनमेंट (पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) का हिस्सा थीं, को टीम में शामिल नहीं किया गया। दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम का भारत दौरा तीन मैचों की वनडे सीरीज से शुरू होगा, फिर एक टेस्ट और तीन टी20 मैचों के साथ समाप्त होगा। वनडे और साथ ही बोर्ड प्रेसिडेंट इलेवन की टीम के खिलाफ मेहमान टीम का एक दिवसीय अभ्यास मैच बेंगलुरु में खेला जाएगा, जबकि बाकी मैच चेन्नई में होंगे। एक टेस्ट मूल रूप से आईसीसी के फ्यूचर टेस्ट प्रोग्राम (एफटीपी) का हिस्सा नहीं था। इसे इसलिए जोड़ा गया क्योंकि बीसीसीआई और क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका दोनों ही हाल ही में महिला टेस्ट को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं। यह सात महीनों में भारत का तीसरा टेस्ट होगा, इससे पहले उसने पिछले साल दिसंबर में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेला था।

भारत की वनडे टीम: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमाह रोड्रिग्स (फिटनेस के अधीन), ऋचा घोष (विकेट कीपर), उमा छेत्री (विकेट कीपर), दयालन हेमलता, राधा यादव, आशा शोभना, श्रेयंका पाटिल, साइका इशाक, पूजा वस्त्राकर (फिटनेस के अधीन), रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, प्रिया पुनिया।

भारत की टेस्ट टीम: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, शुभा सतीश, जेमिमाह रोड्रिग्स (फिटनेस के अधीन), ऋचा घोष (विकेट कीपर), उमा छेत्री (विकेट कीपर), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, साइका इशाक, राजेश्वरी गायकवाड़, पूजा वस्त्राकर (फिटनेस के अधीन), अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, मेघना सिंह, प्रिया पुनिया।

भारत की टी20 टीम: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, दयालन हेमलता, उमा छेत्री (विकेट कीपर), ऋचा घोष (विकेट कीपर), जेमिमाह रोड्रिग्स (फिटनेस के अधीन), सजाना सजीवन, दीप्ति शर्मा, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव, अमनजोत कौर, आशा शोभना, पूजा वस्त्राकर (फिटनेस के अधीन), रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24: लंदन चरण के लिए तैयार भारतीय पुरुष और महिला टीमें

एजेंसी

लंदन। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों के पास एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 में चार मैच बचे हैं। वे 1 और 8 जून को जर्मनी के खिलाफ और 2 और 9 जून को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ खेलेंगे ताकि अपने अभियान को अधिक से अधिक अंकों के साथ समाप्त कर सकें। एंटवर्प चरण के बाद, महिला टीम अंक तालिका में 7वें स्थान पर है जबकि पुरुष टीम तीसरे स्थान पर है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने अब 12 मैचों में 21 अंक अर्जित किए हैं, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन क्रमशः 6वें और 9वें स्थान पर हैं, जिन्होंने अब तक एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 में केवल 4 मैच खेले हैं। एंटवर्प चरण में, भारत ने अर्जेंटीना के खिलाफ अपने दोनों मैच जीते और बेल्जियम के खिलाफ दोनों मैचों में हार मिली।

टीम के अब तक के प्रदर्शन पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, हमने एंटवर्प में अर्जेंटीना और बेल्जियम के खिलाफ कुछ कड़े मैच खेले, दोनों ही टीमें पेरिस 2024 ओलंपिक में हमारे ही पूल में हैं। हमने कुछ मौकों पर शानदार हॉकी खेली, जबकि कुछ मौकों पर हमें संघर्ष करना पड़ा, लेकिन टीम लगातार बेहतर हो रही है। हमने इस अवसर का उपयोग टीम के युवा खिलाड़ियों को कुछ मैच अनुभव देने और अपनी समग्र केमिस्ट्री को बेहतर बनाने के लिए भी किया।

कप्तान ने आगे कहा, इन आगामी मैचों में हमारा लक्ष्य अपने ब्लॉक से जल्दी बाहर निकलना, अपने संयोजन और स्थिति पर काम करना होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से खेलें। हम जानते हैं कि एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 का लंदन चरण आगामी पेरिस 2024 ओलंपिक की हमारी तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण होगा, इसलिए हम जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन से मुकाबला करने के लिए उत्सुक हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम अब 12 मैचों में 8 अंक अर्जित करके 7वें स्थान पर है, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन क्रमशः 6वें और 8वें स्थान पर हैं, जिन्होंने अब तक एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 में 4 मैच खेले हैं।

आगामी मैचों को लेकर भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, हम वर्तमान में पुनर्निर्माण के चरण में हैं, और हम एक समय में एक खेल पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। हमें विश्वास है कि आगामी खेल हमें टीम के भीतर अपनी केमिस्ट्री को बेहतर ढंग से समझने और आगे बढ़ने में सुधार करने में मदद करेंगे।

मुक्केबाजी विश्व ओलंपिक क्वालीफायर

सचिन सिवाच, संजीत, अमित जैस्मीन प्री-क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी

बैंकॉक। चार भारतीय मुक्केबाजों ने पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन की ओर एक और कदम बढ़ाते हुए गुरुवार को बैंकॉक में चल रहे मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

सचिन सिवाच (57 किग्रा), संजीत कुमार (92 किग्रा), अमित पंघाल (51 किग्रा) और जैस्मीन (महिला 57 किग्रा) ने जीत दर्ज की। सिवाच ने प्री-क्वार्टर फाइनल राउंड में तुर्की के ओलंपियन बटुहान सिफ्त्सी पर 5-0 की शानदार जीत के साथ शुरूआत की। इसके बाद संजीत ने राउंड ऑफ 32 में वेनेजुएला के लुइस सांचेज की चुनौती को समान अंतर से हराया।

नियमों के अनुसार, पुरुषों के 57 किग्रा वर्ग में केवल तीन मुक्केबाज ही पेरिस ओलंपिक के

लिए क्वालीफाई कर पाएंगे, इसलिए सिवाच को क्वालीफाई करने के लिए दो और मुकाबले जीतने होंगे, जबकि राउंड ऑफ 64 में बाई पाने वाले संजीत का लक्ष्य भी यही होगा क्योंकि उनके भार वर्ग में सभी चार सेमीफाइनलिस्ट क्वालीफाई करेंगे।

बाद में, जैस्मीन ने अजरबैजान की महसती हमजायेवा को कोई मौका नहीं दिया और महिलाओं की 57 किग्रा श्रेणी के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में 5:0 के फैसले के साथ जीत हासिल की।

सिंगापुर ओपन: ट्रीसा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी सेमीफाइनल में

एजेंसी

कल्लांग। ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी ने शुक्रवार को दक्षिण कोरिया की किम सो यियोंग और कोंग ही योंग को हराकर सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

जॉली और गोपीचंद ने महिला युगल क्वार्टर फाइनल मैच में अपने विरोधियों को 18-21, 21-19, और 24-22 से हराया। यह मैच एक घंटे 19 मिनट तक चला। भारतीय जोड़ी की शुरूआत खराब रही और वे पहला सेट 21-18 से हार गए। हालांकि, जॉली और गोपीचंद ने ओलंपिक कांस्य पदक विजेता जोड़ी के

खिलाफ बिना किसी परेशानी के खेल में शानदार वापसी की। जॉली-गोपीचंद ने दूसरा और तीसरा सेट 21-19 और 24-22 से जीता।

इससे पहले टूर्नामेंट में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन बाक हा ना और ली सो ही को 59 मिनट तक चले मैच में 21-9, 14-21, 21-15 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

इस बीच, गुरुवार को सिंगापुर ओपन 2024 में शीर्ष भारतीय शटलर पीवी सिंधु को दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा।

इंडियन ग्रां प्री: जाबिर एमपी ने पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में शीर्ष स्थान हासिल किया

एजेंसी

चेन्नई। कई शीर्ष सितारों की अनुपस्थिति में सभी की नजरें केरल के अंतरराष्ट्रीय बाधा दौड़ खिलाड़ी जाबिर एमपी पर टिकी रहीं, जिन्होंने गुरुवार को यहां एक दिवसीय इंडियन ग्रां प्री सीरीज के दूसरे चरण में पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में 49.94 सेकंड के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

27 वर्षीय इस खिलाड़ी ने यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 400 मीटर बाधा दौड़ ग्रुप ए रेस के आखिरी मोड़ पर अन्य प्रतियोगियों से आगे निकलते हुए 50 सेकंड से कम समय में रेस पूरी की और अपने पसंदीदा संतोष कुमार टी (50.14) को दूसरे स्थान पर धकेल दिया। वह

इस सीजन की अपनी पहली रेस में हिस्सा ले रहे थे।

संतोष कुमार ने बाद में 400 मीटर फ्लैट में 46.46 सेकंड का शानदार समय निकालकर ग्रुप ए की रेस जीत ली।

महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में एशियाई खेलों की पदक विजेता आर विथ्या रामराज ने 57.28 सेकंड का समय लेकर दबदबा बनाया। विथ्या ने महिलाओं की 400 मीटर ए रेस में 53.00 सेकंड का समय निकालकर दोहरा स्कोर भी बनाया।

देश के अधिकांश शीर्ष एथलीटों ने इस मीट में भाग नहीं लिया क्योंकि वे आगामी पेरिस ओलंपिक खेलों के मद्देनजर विदेश में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

वाणिज्य

बैंकों ने 2014 से लेकर 2023 के बीच 10 लाख करोड़ से अधिक डूबा कर्ज वसूला : सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने विभिन्न सुधारों और बेहतर प्रशासन के जरिए बैंकिंग क्षेत्र का कायापलट किया है। इसके दम पर बैंकों ने 2014 से लेकर 2023 के बीच 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक डूबे कर्ज की वसूली की है।

निर्मला सीतारमण ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि बैंकिंग क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था का रीढ़ माना जाता है। हाल में भारत के बैंकिंग क्षेत्र ने 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध लाभ दर्ज करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह 2014 से पहले की स्थिति

के बिल्कुल विपरीत है, जब इंडियन नेशनल कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने बैंकिंग क्षेत्र को खराब ऋणों, निहित स्वार्थों, भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के दलदल में बदल दिया था।

उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करीब 1,105 बैंक धोखाधड़ी मामलों की जांच की है, जिसके तहत 64,920 करोड़ रुपये की अपराध आय जब्त की गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि दिसंबर 2023 तक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) को 15,183 करोड़ रुपये की संपत्ति वापस कर दी गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने डूबे कर्ज (खासकर बड़े डिफॉल्टर से) की वसूली में कोई ढील नहीं बरती है, यह प्रक्रिया निरंतर जारी है।

वित्त मंत्री ने कहा कि यह दुख की बात है कि विपक्षी नेता अब भी राइट-ऑफ और माफी के बीच का अंतर नहीं कर पा रहे हैं। आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार राइट-ऑफ के बाद बैंक सक्रिय रूप से डूबे कर्ज की वसूली करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी उद्योगपति के कर्ज को माफ नहीं किया गया है। 2014 से 2023 के बीच बैंकों ने खराब ऋणों से 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वसूली की है।

डीजीसीए ने किया उड़ानों में विलंब के लिए एयर इंडिया से जवाब तलब

एजेंसी

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शुक्रवार को टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। विमानन नियामक डीजीसीए ने दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में अत्यधिक देरी और यात्रियों की समुचित देखभाल में नाकाम रहने के लिए एयर इंडिया को नोटिस भेजकर तीन दिन में जवाब मांगा है।

सूत्रों ने बताया कि डीजीसीए ने 30 मई को एयर इंडिया की दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जाने वाली उड़ान में 24 घंटे की विलंब के बाद कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस नोटिस के मुताबिक एयर इंडिया से 30 मई को दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को की उड़ान एआई 183 और 24 मई को मुंबई से सैन

फ्रांसिस्को की उड़ान एआई 179 के परिचालन में अनावश्यक विलंब का जिक्र करते हुए जवाब मांगा गया है।

डीजीसीए की ओर से जारी नोटिस के मुताबिक एयर इंडिया की ये दोनों उड़ानें केबिन के भीतर तापमान नियंत्रित न होने की वजह से काफी विलंब से संचालित हुई थीं। विमान में देरी और अंदर अपर्याप्त कूलिंग के कारण कई यात्रियों को परेशानी हुई और असुविधाओं का सामना करना पड़ा था। जानकारी के मुताबिक नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उड़ानों में देरी और यात्रियों को हुई असुविधा के इस मामले का संज्ञान लिया है, जिसके बाद एयर इंडिया को कारण बताओ नोटिस भेजा गया है। डीजीसीए ने भेजे नोटिस में कहा है कि एयर इंडिया के खिलाफ कई बार यात्री सुविधा से जुड़े मानकों का ध्यान न रखे जाने के मामले उसके संज्ञान में आ चुके हैं। विमानन नियामक ने कहा कि एयर इंडिया बार-बार यात्रियों का ध्यान रख पाने में नाकाम हो रही है। वह यात्रियों को दी जाने वाली सुविधाओं के प्रावधानों का पालन नहीं कर रही है। ऐसे में एयर इंडिया को बताना होगा कि उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए।

रिजर्व बैंक ने ब्रिटेन से 100 टन सोना अपने भंडार में स्थानांतरित किया

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने 1991 के बाद पहली बार ब्रिटेन से 100 टन से ज्यादा सोना अपने भंडार में स्थानांतरित किया है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब इतने बड़े पैमाने पर इस कीमती धातु को स्थानीय स्तर पर रखे गए स्टॉक में जोड़ा गया है। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि आने वाले समय में फिर से इतनी ही मात्रा में सोना देश में आ सकता है। जानकारी के मुताबिक आरबीआई ने कुछ साल पहले सोना खरीदना शुरू किया था। चूंकि यह स्टॉक विदेशों में जमा हो रहा था इसलिए कुछ सोना भारत लाने का फैसला किया गया है। बैंक ऑफ इंग्लैंड पारंपरिक रूप से कई केंद्रीय बैंकों के लिए स्वर्ण भंडार गृह रहा है। भारत इससे अलग नहीं है, स्वतंत्रता पूर्व के दिनों से लंदन में पीली धातु यानी सोना के कुछ स्टॉक पड़े हुए हैं।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग का निरीक्षण कर मीडिया टीम का किया उत्साहवर्धन, भाजपा पदाधिकारियों ने किया स्वागत

चमकता राजस्थान

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए अन्य राज्यों में प्रवास पूर्ण कर शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय लौटे। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं विधायक जितेंद्र गोठवाल, प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं विधायक कुलदीप धनखड़, प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक और मीडिया कार्यालय प्रभारी चंपालाल रामावत ने जोशी को शॉल और भाजपा का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। वहीं बीते एक महिने में लोकसभा चुनाव के दौरान प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ के नेतृत्व में काम कर रही मीडिया टीम के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान जोशी ने भाजपा मीडिया टीम के बेहतर कार्यों की प्रशंसा करते हुए मीडिया विभाग के सभी सदस्यों का उत्साहवर्धन किया।

इसके बाद प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने मीडिया वॉच कक्ष का भी निरीक्षण किया और प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ से संचालन के बारे में जानकारी ली। वहीं उन्होने कार्यालय में मौजूद पत्रकारों से मुलाकात कर लोकसभा चुनावों से जुड़े अनुभव और चुनाव प्रचार से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा भी की। इसके साथ ही जोशी ने युवा मोर्चा कार्यालय में जाकर प्रदेशाध्यक्ष अंकित चेची के नेतृत्व में काम कर रही युवा मोर्चा टीम का उत्साहवर्धन किया। वहीं प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय के विभिन्न कक्षों में जाकर अलग-अलग कार्यों में जुटी टीमों से चर्चा कर उनके कार्यों की समीक्षा की। साथ ही चार जून को आने वाले लोकसभा चुनाव परिणामों सहित आगामी कार्ययोजना पर भी विचार-विमर्श किया।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर दिलाई गई शपथ

- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में हुआ आयोजन

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 31 मई। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों की अनुपालना में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर तंबाकू का सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई गई।जयपुर के एडीआर सभागार में आयोजित हमारा संविधान हमारा सम्मान पंच प्राण ई-शपथ समारोह के दौरान जयपुर विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय सचिव पल्लवी शर्मा ने न्यायिक अधिकारियों, न्यायिक कर्मचारियों एवं पैरालिगल वॉलंटियर्स को तंबाकू का सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई। साथ ही आमजन को तंबाकू के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए तंबाकू का सेवन नहीं करने के लिए प्रेरित करने का आह्व ान भी किया। पल्लवी शर्मा ने इस मौके पर समारोह के प्रतिभागियों को राजस्थान विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी।

नागरिक हितों की रक्षा में मीडिया की भूमिका महत्त्वपूर्ण : सत्यानी

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर सूचना केंद्र में आईएफडब्ल्यूजे के तत्वावधान में आयोजित सेमिनार में हिंदी पत्रकारिता की दशा-दिशा और सोशल मीडिया की भूमिका पर मंथन

चमकता राजस्थान

चूरू। हिंदी पत्रकारिता दिवस पर गुरुवार को इंडियन फैडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट की ओर से सूचना केंद्र में पत्रकारिता और सोशल मीडिया विषय पर आयोजित सेमिनार में पत्रकारिता की वर्तमान दशा-दिशा और बदलते परिदृश्य में सोशल मीडिया की भूमिका पर मंथन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिला कलक्टर पुष्पा सत्यानी ने कहा कि लोकतंत्र में नागरिक हितों की रक्षा में मीडिया की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। देश की आजादी की लड़ाई में पत्रकारों की अहम भूमिका रही है, वहीं आजादी के बाद देश को आगे बढ़ाने में विकासात्मक पत्रकारिता का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के जनहितैषी कार्यक्रमों को अंतिम छोर तक पहुंचाने में मीडिया का योगदान किसी से छिपा हुआ नहीं है। उन्होंने कहा कि तमाम चुनौतियों के बावजूद हिंदी पत्रकारिता की अपनी एक साख है और करीब दो सौ साल का एक गरिमा और गौरव से परिपूर्ण सफर हिंदी पत्रकारिता ने तय किया है। उन्होंने चूरू के लोगों की जीवट की सराहना करते हुए कहा कि चूरू की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण यहां के पत्रकारों का काम और भी चुनौतीपूर्ण है।

मुख्य वक्ता प्रख्यात राजनैतिक विश्लेषक एवं वरिष्ठ पत्रकार अरविंद चोटिया ने कहा कि सोशल मीडिया ने पत्रकारिता के दायरे को और विस्तृत किया है लेकिन सोशल मीडिया में आत्म-अनुशासन की जरूरत अधिक है, तभी उसकी विश्वसनीयता और बेहतर हो सकेगी। पत्रकारिता रोजगार का एक जरिया हो सकती है लेकिन जो लोग अत्यधिक धनार्जन के लिए इस क्षेत्र में हैं, उन्हें यह क्षेत्र छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता की भाषा सरल एवं सहज होनी चाहिए, जिससे साधारण से साधारण व्यक्ति उसे आसानी से ग्रहण कर सके। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के मूल्यों एवं उद्देश्यों को ध्यान में रखकर हमें अपना काम करना चाहिए। हिंदी पत्रकारिता का एक गौरवपूर्ण इतिहास रहा है और हमें उसे अपना आदर्श मानकर बेहतर दिशा में बढ़ने की जरूरत है। पत्रकारिता एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें हम में से अधिकतर लोग अपनी मर्जी से आए हुए हैं। हमें उसी भाव को आत्मसात करते हुए उद्देश्यपरक पत्रकारिता की ओर बढ़ना है।

विशिष्ट अतिथि सहायक निदेशक (जनसंपर्क) कुमार अजय ने कहा कि सोशल मीडिया क्रांति ने पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत बदलाव किया है, इसके अच्छे-बुरे सभी पक्ष हैं लेकिन फिर भी अनेक उदाहरण हैं, जहां सोशल मीडिया बदलाव का वाहक बना है। उन्होंने कहा कि पत्रकार साथियों को अपनी व्यस्ततम दिनचर्या के बीच अध्ययन के लिए अधिक समय निकालने की कोशिश करनी चाहिए, जिससे उनकी भाषा और काम में अधिक निखार आएगा।

सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए नरेंद्र शर्मा ने कहा कि पत्रकार हितों की सुरक्षा के लिए अधिक संगठित होकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब तक हम स्वयं अपने काम के लिए गंभीर नहीं होंगे, तब तक कोई दूसरा भी हमें गंभीरता से नहीं लेगा।

आईएफडब्ल्यूजे के उपाध्यक्ष पत्रकार मनोज शर्मा ने कहा कि उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता के इस गौरवमयी सफर में अनेक चुनौतियां सामने आई हैं लेकिन हिंदी पत्रकारिता ने हमेशा पूरी ताकत से उसका मुकाबला किया है। आने वाले समय में भी हर चुनौती का हमें डटकर मुकाबला करना होगा।

स्वागत उद्बोधन में सहायक जनसंपर्क अधिकारी मनीष कुमार ने मीडिया के विभिन्न आयामों की चर्चा की और कहा कि इस तरह के आयोजनों से पत्रकारों की रचनात्मकता को बल मिलता है। पूर्व जिलाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक अमित तिवारी ने आभार व्यक्त किया।

इस दौरान साहित्यकार मोहन सोनी, नगर पालिका पीआरओ किशन उपाध्याय, राधेश्याम चोटिया, मनोज शर्मा, राजेंद्र सिंह शेखावत, गजेंद्र सिंह चौहान, मनोज मिश्रा, बाबूलाल राव, मनोज शर्मा तारानगर ने विचार व्यक्त करते हुए पत्रकारिता की चुनौतियों और वर्तमान परिदृश्य पर चर्चा की। संचालन कुंजबिहारी बिरमीवाला ने किया।

इससे पूर्व अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पत्रकार आशीष गौतम, गिरधारी सैनी, नरेश भाटी, ललित चौहान, सहायक प्रोग्रामर अभिषेक सरोवा, महेंद्र सोनी, भरत सैन, अख्तर मुगल, कुलदीप राव, विजय चौहान, हनीफ अली, विजय सारस्वत, राहुल शर्मा, दिनेश लाटा, रामचंद्र गोयल, नरेश पारीक, मोहम्मद अली पठान, संजय गोयल आदि ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम में

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी से पंजाब की जनता का मोह भंग: रवि नैय्यर

चमकता राजस्थान

जयपुर। लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के लिए प्रचार करके गुरदासपुर पंजाब से लौटने पर आदर्श नगर के भाजपा नेता रवि नैय्यर ने मीडिया में बयान जारी करते हुए कहा कि पंजाब में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में जबरदस्त माहौल है।

भाजपा नेता रवि नैय्यर ने बताया कि पंजाब के लोगों का दोनों पार्टियों से मोह भंग हो चुका है। लोगों ने महसूस किया है कि पहले कांग्रेस ने और अब आम आदमी पार्टी ने सत्ता में आने के बाद पंजाब को लूटने का काम किया है। जनता अपने आप को ठगा सा महसूस कर रही है। ढाई साल पहले विधानसभा चुनाव में जनता को 24 घंटे फ्री बिजली देने का वादा करके सत्ता में आई आम आदमी पार्टी के राज में आज लोग आठ आठ घूमते बिजली कटौती से परेशान हैं और कह रहे हैं कि हमें फ्री नहीं चाहिए लेकिन बिजली तो दो। राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है, मंत्रियों पर महिला उत्पीडन के आरोप लग रहे हैं, कानून व्यवस्था के खराब हालात, गैंगवार की बढ़ती घटनाएं उग्रवाद की याद दिलाता है, ड्रग माफिया ने सरकार के संरक्षण पूरे पंजाब पर कब्जा कर रखा है। 'चिट्टे' का नशा युवाओं की जिंदगियां बर्बाद कर रहा है। बच्चों का भविष्य बर्बाद होता देख कर लोगों में राज्य सरकार के प्रति बहुत गुस्सा है और यह गुस्सा चुनाव परिणामों में नजर आएगा।

रवि नैय्यर ने बताया कि कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार की जननी है और अब दिल्ली की कट्टर भ्रष्टाचारी आम आदमी पार्टी भी उसके साथ जुड़ गई है। कांग्रेस की कोख से जन्मी इस कट्टर बेईमान पार्टी ने ढाई साल पहले पंजाब में कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लडा और जनता से झूठे वादे करके पंजाब की सत्ता हथियाने के बाद सारे वादे भूल गई। जो आम आदमी पार्टी कांग्रेस पार्टी का विरोध करके दिल्ली और पंजाब में सत्ता में आई वही पार्टी आज उसी कांग्रेस पार्टी की गोद में बैठे हैं। उसमें भी जनता को मूर्ख बनाने के लिए धोखा यह कि दोनों पार्टियों के छोटे बड़े सभी नेता कार्यकर्ता पंजाब में एक दूसरे के कपड़े फाड़ने का नाटक कर रहे हैं लेकिन दिल्ली में बड़ी बेशर्मी से एक दूसरे के साथ गलबहियां कर रहे हैं। इनका दोहरा चरित्र देख कर पंजाब की जनता में अत्यधिक आक्रोश है। जिस तरह कांग्रेस पार्टी के भ्रष्टाचार के बड़े बड़े नेता भ्रष्टाचार के मामलों में जमानत पर हैं उसी तरह आप ने तो भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस पार्टी को भी पीछे छोड़ दिया है। दस बारह साल पुरानी पार्टी के बड़े बड़े नेता दिल्ली शराब घोटाले से लेकर जल बोर्ड घोटाला सहित कई घोटालों में या तो जेल में या बेल पर हैं, और केजरीवाल जी को तो 2 जून को सरेंडर करके तिहाड़ जाना ही है।

रवि नैय्यर ने बताया कि पंजाब की जनता बहुत ही पढ़ी लिखी और समझदार है, वो मोका देती है लेकिन धोखा देने वालों को सबक भी अच्छा सिखाती है। पंजाब के लोगों में प्रधानमंत्री मोदी जी की नेक नियत और उनकी सर्वव्यापी नीतियों पर भरोसा बढ़ा है और इस लोकसभा चुनाव में पंजाब के लोग भाजपा को अपना भरपूर आशिर्वाद देकर विजयी बनाएंगे।

उपमुख्यमंत्री ने किया ''मेरी माँ'' प्रदर्शनी का उद्घाटन

- कैनवास पर जीवंत हुए माँ की ममता और समर्पण के चित्र

चमकता राजस्थान। जयपुर। उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने शुक्रवार को वर्ल्ड ट्रेड पार्क में आयोजित तीन दिवसीय प्रदर्शनी ''मेरी माँ''का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी पर चित्रकारों ने माँ की ममता और समर्पण को चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया। जिसमे माँ के जीवन के विभिन्न पहलुओं और रूपों को दर्शाया गया है। उपमुख्यमंत्री ने चित्रों का अवलोकन कर कलाकारों के हुनर की सराहना की।उल्लेखनीय है कि मदर्स डे पर आयोजित पैंटिंग प्रतियोगिता में से विजेताओं की पेंटिंग को यहाँ प्रदर्शित किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी 2 जून तक लगाई जाएगी।

बिना तथ्यों के किसी भी विषय पर बयान देना डोटासरा का बड़बोलापन, कांग्रेस को डुबोने में गहलोत और डोटासरा की अहम भूमिका: जितेंद्र गोठवाल

चमकता राजस्थान

जयपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं विधायक जितेंद्र गोठवाल ने प्रदेश में हीट वेव से होने वाली मौतों को लेकर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि डोटासरा बिना तथ्यों के किसी भी विषय पर कुछ भी बोल देते हैं, उनका ये बड़बोलापन और पूर्व सीएम गहलोत का झूठ ही उन्हे ले बैठा। एसएमएस अस्पताल प्रदेश का सबसे बड़ा अस्पताल है, जहां हीटवेव और अन्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों का समय पर बेहतर उपचार हो रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 47 डिग्री तापमान में खुद सड़कों पर उतरकर बिजली, पानी और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक चीजों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। वहीं भाजपा के विधायक और कार्यकर्ता प्रत्येक विधानसभा और जिला स्तर पर जनता की समस्याओं को सुनकर उनका समाधान करा रहे हैं। सचिवालय में आज मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हीटवेव और गर्मी के चलते आने वाली बिजली, पानी जैसी समस्याओं पर समीक्षा बैठक भी हुई है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा और पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के दिमाग में गर्मी चढ़ गई है। जिसके चलते वे लगातार बहकी-बहकी बातें कर रहे हैं। गहलोत की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में बिजली पानी और स्वास्थ्य की बदतर स्थिति प्रदेश की जनता से छिपी हुई नहीं है। पिछली कांग्रेस सरकार में बिजली की मांग को लेकर उनकी खुद की सरकार के मंत्री कलेक्ट्रेट के सामने धरने पर बैठ गए थे। बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के समय विद्यार्थियों को बिजली के अभाव में अंधेरे में रहना पड़ा था, और किसानों ने खरीफ और रबि की फसल के लिए धरना प्रदर्शन किये थे।

भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि डोटासरा और पूर्व सीएम गहलोत झूठे और बड़बोले बयान देने की बजाय अपनी पार्टी के नेताओं को सुझाव देते कि भाजपा नेताओं की तरह जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनें और जनता की सेवा करें। आज प्रदेश की भजनलाल शर्मा की सरकार जनता के द्वार पर जाकर उनकी हर समस्या के समाधान के लिए काम कर रही है। वहीं दूसरी ओर डोटासरा और गहलोत केवल ट्वीट कर रहे हैं, और वीडियो बनाकर जनता की भावनाओं को आहत कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929